

# श्रावक मुनिपति चरित



श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर  
भटारकश्री सकलकीर्ति  
श्रुतभण्डार ईडर (गुजरात)

श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर, भट्टारक आचार्य श्री सकलकीर्ती  
प्राचीन श्रुत भंडार, ईडर-३८३४३० (सा.कां.) गुजरात  
ग्रन्थ परिचय-पत्र

मन्दिर/ग्रन्थ भंडार का नाम \_\_\_\_\_  
 क्रम संख्या १३२५ वेस्टन संख्या २३  
 ग्रन्थ का नाम \_\_\_\_\_ आकार से.मी. २६ x १२  
 ग्रन्थकार का नाम श्री वाक कुनि चरित्र पत्र (पृष्ठ) संख्या २३  
 टीकाकार \_\_\_\_\_ पंक्ति अक्षर १३ x २३  
 प्रतिलिपिकार \_\_\_\_\_ रचनाकाल \_\_\_\_\_  
 कागज/ताडपत्र \_\_\_\_\_ प्रतिलिपिकाल \_\_\_\_\_  
 लिपि व भाषा कागज देव. हिन्दी पूर्ण/अपूर्ण अपूर्ण  
 गद्य/पद्य पद्य स्थिती-जीर्ण/अतिजीर्ण/सामान्य \_\_\_\_\_  
 विषय चरित्र  
 विशेष वितरण \_\_\_\_\_

२२०० वाडक पत्र गरी १९००

११५

श्रावणमुनिपात-चरित

अ पूरा

IN NOMINE DOMINI AMEN

NOBIS HIC

IN

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

1890

**॥ १ ॥ पावनमासिद्धः ॥ वसु ॥** जोयमगागाधरप्रायप्रणामेव ॥ नामेनवनिधसंपजडं सयलसिद्धसेव  
 कदधारे ॥ एकमनाजेउलगड ॥ धरीधननवषआपे ॥ बैकरजोमीवानबुं ॥ दीतंमुऊवांणिविरोषबोतिस  
 रायमुनिपति ॥ चरीत्रकषाबंधमुविरोष ॥ १ ॥ जंबुदावह २ ॥ नरहमऊंमि ॥ मुनिपतिकानगरीसली ॥ क  
 रेराजमुनिपतिसुरु ॥ कलाबिद्धतरऊशाल ॥ लदोराअंगिबत्रीस ॥ ईप्रुरुपटराणीप्रषवीसुंणुं ॥ रुपवंतसु  
 विचार ॥ बेटोबहुगुणाआगलो ॥ तसुमुनिचंदऊंमार २ ॥ **वोपदी ॥** राजराजकरेचिरबहु ॥ नगरलोकतेसु  
 षीयुंसङ्गं ॥ राजनातपालेसुवीचार ॥ पुत्रतरोसिरसुपीसार ३ ॥ देषापलीउवेराग ॥ अघिरसंसारनहीअ  
 मलाग ॥ **आधूरमघो** प्रसुराविनिमुंणी ॥ आलासाधवंदवासणी ४ ॥ त्रिराधदकरादइराय ॥ करीअत्रीसरा  
 लागोपाय ॥ धरीधननबेटोप्रहाराड ॥ फल्योमनोरषमहारोआज ५ ॥ देषीलासदीधोउपदेस ॥ सुगोवां  
 णीबुजीउनरेस ॥ बाकीराजकृष्परिवारि ॥ राजनीक्षेसजमसार ६ ॥ गुरुजोगपतजोणीईसी ॥ जिसाउनि  
 रवहेसिषातिसी ॥ गुरुनावयारिहमांधरे ॥ पबेविहारएकलौकरे ७ ॥ विचरेंगमिगांमएकलौवनरहे ॥ क  
 रेविहारपरिमहसहे ॥ सीतकालिउजेणीगधु ॥ सांऊसमेवनिकानसगरहो ८ ॥ जोचारावनायागौवालदी  
 जोराजकृषिसुकमाल ॥ मनमादेईमोविमासेतेह ॥ रगणाताडकिमसहेसेएह ९ ॥ अडकपणेचिंतवेएसो ॥ सा

व्या

धुसिरवाटीगाजिसौ। कस्तूर एक सां सल जोतिसे। अन्न रज एक मन मां है हसे ॥१०॥ नगर कने ठे एक नां तुगाम। ब्रा  
मरा वसे प्रसाधुनांम। तिलवावेने तेल संग्रहे। तिल सट नाम सङ्ग को कहे ॥११॥ ते हने नार अवे धरा सर। अमता  
सङ्ग माहे सिरो मणि शरी। नट वाट घां राधित परिवरीया। तिल के तांते एरो वा वरीया ॥१२॥ सिउ तर दे सुं धर धरा  
इमी कबुध की धीया प्रणा। मोर पीब नो चर शो करे। आधी राशि दा हिरने सेरे ॥१३॥ कां ने दीवा कांति मसे। कां  
ने मुहरे हरे हरे हसे। मस्तक उपरि मगनी जले। जई वा नरा जो ला व्योषले ॥१४॥ पय धुं धरा धं जावे मां करे  
कल गला मुं के हाक। ब्राह्मण बोले मलाई सवार। तिल पाठं कई तुं ऊ आहारा ॥१५॥ ब्राह्मण के हधरां ठ ध  
रे। तिल पा ॥ एफ् ऊर का करे। पा बी वलान लाई वार। तो तिल नी मत कर जो प्र चर ॥१६॥ विकट रूप देषी ने इयो  
धर हरे तो धरि वा सरा गयो बार पे स तो तिल रु धमी न। काल करी ने धर मा हे प्र मी न ॥१७॥ ते मी यान ट वि ट धई  
आ कुली। विद्वज रोग पा मो मिला। आ धुं पा बुं जो इ युं मा ग। सा धुं दु क हुं दी धुं दा ध ॥१८॥ वा उ जो ग वि स वा न र वि  
सरो। आ वी रु धि पा प नी यां फिरो वस्त गो वा ले वी टी आं जे ह। ते रो मु ना वरें ऊ ल का रां दे ह ॥१९॥ ग या पी मा  
र नु ग ते सां रा। जई उ नार ह्या वा ति रो ठा रा। रु धि नुं सिर द व धी ला ज सो। हे आं प रा पुं की धुं कि सो ॥२०॥ ए ह वो  
जां रां न य रि म ऊ रि। जई ऊं ऊं चं क ने वारे। नि मु रा से ठ वा त अ म त रा। रु धि दा धुं न वे द न ध रा। २१ सु शि वा  
त ने से व ति हां ग यो। आ शि रु धि ने मिं ध र र ह्यो। न ग रें म हा त मा ङ्ग ता जे ह। जई से व ध रि आ रो ते ह ॥२२॥ श्रा व

कसएलाआवामिला। कहुं तुं नृपकीधुंवली। वैद्यकहेउपरसउपको। लरुपाकतेलघोपको२३। अटाआ  
 वंकारानुं नाम। लरुपाकतेलनुंधाम। तेलवहोरवाभुनीवरगया। उचीमनरुंमिवाक्या। २४। जगवंनसलेप  
 धरियाआज। लतराहेतलरुपाकेकाज। तेलरुपाकलेरगुं। वहेरोसुरेअभतरगुं। २५। दुहा। देतोइडस  
 तासहितज्ञानधनुंजेसोय। लताअवंकारीसमो। रुमानदेष्टुंकोय। २६। असदहेतोसुरउतसो। कधोनयरष  
 वेस। तिहांआवाउभोरस्यो। उबरपांअहेस। २७। वोपई। रुषिवांहीनेंउलीरहे। ऊपुआरादासानेकहे। मां  
 हेजइआरोजेतले। उबरिफोकावोतेतले। २८। बीजुआशामकरिउवाव। उबरिकनेसाववेवावमांहेजईऊं  
 पावोमाया। अनुकमेजिगोफोकीया। २९। धरमाहेऊपुंएकजसार। लावीमालैहरषअपार। मुनीवरकहेन  
 वोरुंएह। सुपुरिसनोकिमलाजेवेह। ३०। दाउलासअएअग्रहकरे। वेहेरोकाजअमारोसरो। मांम्यांउपावुंऊ  
 ईजगास। वेकीनेममकरेजोरीस। ३१। कोभतराफलदीठांघरां। पुबेमुंवेरकहुंतूमतरां। उजेरांनगरी  
 अमवाम। धनसेवप्रसीधुनाम। ३२। कमलसरीघररा। सुववेक। सातपुर्वाहुंबेटीएक। मायवापनइवलन  
 बाम। भवाअवंकारीकहेनांम। ३३। रुपवंतयोवंनवयधई। मांगुंकरेपतानेजई। एहनुकहितकरेनरजेह  
 पिताकहेपरगावुंतदे। ३४। तेरोईबाकरेनदीकोइ। दीगीसुबु। श्रीपंतीस्वरसोइ। तिरोवातसवपतगरी। प  
 राणांवीबहुंउबवकरी। ३५। मंत्रीस्वरघरिआव्याजाम। वजनकहुंतेसीजेकाम। स्वामाबोलेवेसाउंनरवहुं

दिवसबतोघरिआवीरहुं ३६ रायवातव्यतेउरसुगा ३७ महेशुं ३८ श्योतेहसगा ३९ रातिवेपहोरथइतेतले  
मंतीस्वरआवोतेतले ३० मेरीसेनउघाम्योवार ३१ मंत्रीस्वरबहु करेपोकार ३२ देवमुकुकुबुद्धिदीक्षीकसा  
काइकुहारुघरिआगाईसी ३३ एसावननसुरिगुघाम्यावार ३४ पहिराहुतासयनसिगागार ३५ ईरीसबाहिर  
नासरी ३६ वातेजातांकोरेधरी ३७ तेसहुलाधुउतारा ३८ देवीपलापतिवार ३९ पलापतिहरपमनधरे ४० कहीवा  
तअस्वानपतगरे ४१ मायपसजागोमोनसे ४२ बीरीमनहकोषसे ४३ घरोघायबहुमारीजात ४४ मायकहेवब  
सांलजवात ४५ मोहुंहुंइस्युबोलीबाहता ४६ श्यामीसारकरेसेसती ४७ वनतापसबगलीपरिजांगा ४८ महासतान  
विजीजेप्रागा ४९ कहुमातगतकुदसा ५० कुरातापसतेबगलीहुंती ५१ तापसनेहपबलिउपना ५२ तोहेतेहुंते  
साउपनी ५३ जईवेवोवृषवाहमी ५४ माछेविष्टाजगनीपमी ५५ रीसकेरीमुक्योहुंकार ५६ बलीबगलामनिह  
रपअपारा ५७ अनुक्रमेगांमनअरेअगांसरइं ५८ सिष्पाकाजेघरिघरिकरं ५९ पोहोतोपुरपाकलिमझार ६० सा  
तलस्यावराकघरिबारि ६१ तेहअस्त्रपालेपतिवृता ६२ तिसेसेवघरिजमताहुंता ६३ उसाकरेबीजसावय  
उवरवेहनमुकेपाय ६४ मोहारीसिष्पाजेईगई ६५ घणीरीसतापसनेथई ६६ हुंकारमुकीउआकुलै ६७ बगाब  
लाइनहीजेबले ६८ अचिरजयउंवातएहसुगा ६९ तुतापसपुबेतेहसरी ७० तेहनेषइवनमांहेघात ७१ अहो  
बहिनसुंजागोवात ७२ देषीतापसनेमनहसा ७३ पुबेसुउजावागारसी ७४ पुबसेनागअमकुंभार ७५ तेहकहेसेएह



विबीजोऽथावात। जकरं मुकुने ज्पोन। तुमे कतघनघया मदातमा। माहसूनीं निधानं ६३। सीवारा कहां थी परे  
 साचूं की धुं सोई। कडुं कुं व क मु ना वर क हे। कुराते हां घा हो इं ६४। वसु। नदायगं गानदी यगं गातरो उपकं  
 वें। वन मां हें हा घा ऊं तो। रहे सहे सहा घरा पुरा। बीहते। मन चिंतवे। पुत्रने पोते साहसहे। मारे नहां नाबाल। दुष्टी  
 अणुं आदस्यो। तरुं कल नलो काल ६५। चौपई। ईकहस्तनी सगर नासही। जांणुं मुऊ बालिकमारसें। अरा।  
 दुपतेषो नागे पाय। राते जुं घरहे तिहां जाय ६६। तेरो विसासें माहे घा टले। दिन बीजे बीजे जश्मलि। प्रसवितरि।  
 नावजववे लायई। रुषि उपासें वहा जई ६७। जणुं कल न सलुं तरि वाय। तहां जुं घमाहे जाय। तापसें पाली मोटो क मुंकी

१। यो। करा सीवारा क नाम तसही उ ६८। सहेरु जुं यमाहें हा घी गयो। हणी तातने नाय क घयो। मन आपरां वि  
 मां सां सरम। ना ज्पों तापसनां श्री अश्रम ६९। तो तापस बोले ईसुं। कहो ईरो पा पा का घो क सुं। अहे वरूं नां नो बा  
 ल। कतघनघयो आपरो काल ७०। तापस गयो राज ग्रीही वहा। वात जई राय श्रेणिकनें कहां। नडुतात हा घी  
 बडु रूप। ईस्यो राय तुं म बां जे नूप ७१। कटक करी राजा तिहा गयो। घरो प्रपंचे हा घा लात। आरा बांधो राज  
 डवार। तनीयां तो राघरि घरि वारि ७२। हा घा तुं प्रव पा बलिं जां रा। मे नस्यो न की धी वारा। राजा उबव करे अ  
 तिवहुं नगर लोक हरष्या सई ७३। उहा। कुं व क सा धु ई स्या न हो। ए मन ना रा। स च्छं ति। राजन धे धी आपरा। चाले नि  
 रमल वं ति ७४। चौपई। कतघन म करे अप्रा बो का ज। रहे न संग करे सहुं ती ज। सुस्थी त सुरी शिष वहुं जि स्या

मुंकी

इत्यासाधुनिरलो नीतिस्था ७५ नगरमा है राजग्रही जलुं तिहां उद्यानवैतगु रासजुं समोसस्यो श्रीवृत्तमहा  
 वीर समरधस्वामी साहसधीर ७६ समोसर रारलो देवतां वो सबइंड सदा रोवता संघसहित श्रेणिकश्री  
 वीउ परमेश्वर वादी मन जावी ७७ धर्मदेशना सुशा उलास वेडो कृष्ण द्वाठी पास लोहार सा स्वामीने प्रा  
 य श्रेणिकरी सकराई शो समाय ७८ एक वली गाहुं आफ है परमेश्वर बेक्या कहे मरो अजे कुमार बेक नि  
 वार मरे जीवे बहु प्रकार ७९ श्रेणिकनी वैल विरंजीवी सुलसपतिने ममर मजीवी एमो सुशीरो मेघर  
 हरे तेना सो हो मरषे वी सरें ८० जब उठे वतव कर जो के म बाहिर गयो मकर सो जे म कदा एबे कर यो मत  
 धं नही तो उमने एह जदं ८१ कोठी समे सर राघा जाय रायतरा नमक के घाय हवे किम जाई स आबो  
 पासि उतपत पदो तो देव अर्का सा ८२ आजी कहे राघने वात तेहनर नान विघा एघात अम देष तां चटि उ  
 आकास तो श्रेणिक पुबे प्रनुने पास ८३ स्वामी एको राको ष्टा होई उमर आस्ता तना कर तो सोय गले की  
 लने वका घाय ते लोही लुं सो उमपाय ८४ कोष्ठा नही ए देवता एह बावना चंदन चरवी देहता स्वामी  
 एको राक ही ए देव जो कर तो होय उमारी सेवि ८५ को संबी नगरी अतिसार सेता कीं कराजां उदार वां स नी  
 रावसें मेरु उ सोय जनम जगे दाल डी होय ८६ सगर ना कहें नार तां साठ बेसीर द्वां कडु एक स्यो उम  
 मूरिष न विजां गो जो स ते लो कर म आपरां दो स ८७ नारित शो वचन आदरी सेतानी कराय उलग करी



एकवारतू वोमहाराज। ब्राह्मणमौंजिसङ्गकाज। ६६। कहे ब्राह्मणराजनअवधरुंमगिसपुबामुऊनारि। घरि  
आवीनेपुबेईसुं। रायतूवोडुंमांगुंकिसुं। ६७। दीघसुत्रविमासेईसुं। बडुलरुमीमुऊवामसे। ब्राह्मणनेनही  
अधीकआचारजिमणएकउपरिभारि। ६८। तवब्राह्मणरलीयावतथाय। अतिआकुलराजमदरजाय। ईस्यो  
लागघरि३महाराज। अवरनकाईबीजेकाज। ६९। रायआदेसुंउतसप्रसू। नगरमाहेवाहो। मंगसूराधतेमी  
उसविपरिवारा। दीधोजमराअनेदीनाराण। नगरमाहेमलीतेजम। लीइसीनारमनगमइं। आवीजमलिम  
घरिगयो। दिवसकेतलेकंश्रीघयो। ७०। रायआणीईस्योस्वरूपवित्र। पुत्रलेम। कहेनुप। वेइं। लसंघलाताह  
राएह। पितामकाठिसतूघरिबेह। ७१। रायआदेसरसो। घरिमाहिं। नापतणिपरिवेवोजाय। राजादेइंतेनेबडुं  
मांन। नगरमाहेअतिबाधोवांन। ७२। कोशीकुटाघरमेरहे। सुषतरसकेहनेनविकहिइं। कुटवमाहेनकरे  
कोईसारातातेहनेडुषघयोअपार। ७३। पांणपजातपायकोय। हवेकरुंएहनेतेजोय। तेमीपुत्रकहेअनिप्रा  
हिं। कुंजाईसजात्राईअनिप्राहि। ७४। कुटवकारणसीएकबांग। कुटवअपरोएस्योबेलाग। हरणेपुत्रअणा  
व्योजाणि। पितापासेनईवांधोताणि। ७५। मालेमीलआपणुंघसी। पाणुंजेटावेससी। दिवसकेतानांघुयातेज  
सें। परिपुंरगाकोटीघयोतिसे। ७६। वरुदिवसपहोवामीयो। आयकटकोरसङ्गकषाय। कुटवमाहेनविवायो  
कोय। एसेमगोत्रतानेहोय। १००। कुंकरुंनेकुंश्रीगयो। अनुक्रमेअटवीतरसाधयो। घरांमुलपाणाएनसां

धुना  
 ११ न. लाइ  
 बार तो ते  
 हने धयो  
 र व अपार  
 ध मु नि रो  
 ग ति हा धी  
 व नी आ  
 बी स य ले  
 क ट व ते  
 म यो  
 उ ला बी  
 नी पो ट  
 ध

आबी तेह पाषाणीयां कर १०१ अर हो अर पां नर हं एद रती कर सो त प्यो जल तेह कृष्ण दि वुं संघ लो सा धि एला  
 गां माहरा तुम हा धि १०२ नगर लो क ते नु मो क हे लो ला ज तो ति हान विर हे आव्यो प्रो विरा ड गृ हा ति स्ये म मो  
 सस्यो वार ज रा ति स्ये १०३ श्रेणि क हर प ए न समा धि संघ स ही त वा द वा जा य धार पा ल ब्रा ह्म रा ने के हे ता ए ल  
 जे ए रा प्रो ले तूर हे १०४ गयो प्रो नी यो वां द वां वी र ति से ला प सी आ वी षी र डुर गा दे वी नि वे द धु यं तो ते रो ब्रा ह्म रा  
 स घ लो नी यु १०६ अति आहार बले तर स्यो ध यो आवुं सु ल वी प्र ते मु उ पा रा पा षे जी व त स ग यो वा वि मां हे ज ई रु  
 रु को थ यो १०७ अनु क्र मे स मो सर रा ए द त रो पा रा हा रा ने व व ने ते मु रो वा इ व नी वी र अ म ने थ ई वा दी सुं  
 वी र जि ने स्वर ज ई १०८ ए सो व च न सा न नी कं ना म आ जे मु रा तिं ह ते कि हां ना म जा ती स म र रा न व आ प रां  
 दा ठे रु क क वा न रा त रां १०९ दा चि त रां ते मु की कं म जं द सु वी र मु की सर व को म मार ग सर आ व्यो जे त ले  
 त मे रा य पो हो ता ते त ले ११० धे का ष रा चं पा रां ज मे दे व लो के दे व ध यो त से इंड क हो ब ना मां हे सो ई श्रे कि रा  
 स मो न हो ई १११ अ स द ह तो आव्यो ई शो कं व कर प रा हा ता ह री जा य स य ल ह तां त मु रा व्यो सो य ते दा डुर दे व  
 ता हो य १२ खा मी अ ह्न आई स दी यो ई स्यो म करी स हे त कार रा कि सो अ ग ति न रा क हे क ही ति सो इ आ ग ले  
 सु ष अ नं ता हो ई १३ पर मे स्वर ना प्र रा मा पा थ रा ज्ञा न्ग र न रा ज व जा य मार ग सि र मु नी व र ने रू प कर तो क क  
 र म दी गे नु प १४ शो षो ले ई क रु घा नी तं हा ष मां हे जाल नें जाला नं श्रे णि क गा दो हा क्यो ते ह क ह्यो न मा न्यो  
 ले हे से ए ह १५ का ढी ष रु ग ते पा ली तं वे गें कर रा जा वा नी तं अ ग ति जा ता व द्या वि शे ष करे का कराने का ज न रे ष

रा

१६ सगर जो महासतारूप ले जाने बोला वेनुप ईस्यो कृहा रु करे अइं कि स्यो सुमुऊ दोस सहु बेई सो १७ बद्ध परि  
क गने प्रवे तेह तो राजा बुद्धि मां को रह प्रबं न्न गपति राषी इ वि आप एला जसे एहने पापि १८ प्रगतो एक देवता  
रूप मुऊ तूं जो वर मागिनी नूप अगलि श्रेणिक बोले सो इमे तूं वा ते कारणा कि सो १९ श्रेणिक ताहरा सम  
कितित राणी इंड प्रससा की धी घणा इति सो प्रो हो तो अधिको आज तेरो तू ऊतु वो महाराज २० माती जो लोते  
बेईं जां राणी आप्यो हार अमुल क अशिा नू तो हार परो से जेह सुशि श्रेणिक नर मर से तेह २१ ईस्यो क हा सुर  
थानिक गयो पढे राय मंदिर आवा ठं गोला दीः श्रु नंदा बेईं हार दीक्षो वेन राणा ते ऊं २२ रासें जो लो अहां राणी  
नीत यत्र भांगाल व दूर षी वित ऊरु ल बेज ल ह ले अपार देव दुष त वि सु सु सार २३ कहे वेन राणा राय ने अ  
वि मुऊ गने ऊरु ल व स्र अ पा वि बल तूं राय क हे र म सुं राणी आप्यो हार अमुल क न राणी २४ घणो कि स्यो बो  
ले महाराज कां अ पा वि कां मरी सुं अज मे आप्यो ते ते हनें जां राणी मरतूं को य न र ह स्पे प्राशिा २५ गयो अने धी  
राय ई म भां षि मर वा कां रा व का ग वा षि देई ऊं प ज व दी क्षी इ ष्ट त्रि लो य लो च करे जि रा हे व २६ मि व न  
र अे क आ रो हि नं र हे सुं ग ध से रा ग रा का ते क हि इं अ अ रा चं प क माला जा शिा मुऊ हा धा ने आपुं जां राणी २७  
२७ सुं ग ध श्रेणि ते क हे न ई पा य जो जां राणी तो महारे रा ए न ही आ दे तु बो ले इं कां उऊ बां कुं कां डूं मरू २८ मा  
नि व च न सु हा ले प्री व न ही तर वा त क डूं ते प्रा व ब हु न एक दे सां तर ग यो दै ष प ना स ह ष फ ल नी न २९

३१. अथ स आशा वा वात सी वा सी व नै मे तो का गो न विकूलै फल स मा वा न रा। रा स व नी व वा नै घ रा। ३२।  
 अग्नि जौ जि नि पा युं अ पार। फु ल्यो वृष न ला गो वा य क वि व व न न जि डे जे ह। पु गी प त्या स व सि आ वा ते ह ॥  
 ३३. अपि जा व हे त न करे जे ह। प हि रं उं कि म हो वे ते ह। क हे ते हो तार व लि मु रा वा त। वृ ह द त ब क ब्र त अ व द।  
 त ३४। घो र्के का टो अ ट वी ग यो। मि ल्यो से न पा लो अ दे उ। सा न स मे पो हो तो आ वा स उं रा रा। पू रं प्र नु पा स ॥  
 ३५। स्वा मा तं म व नि पो हो ता सो य। न युं न को ति ग दी वो को य। से रो व र एक म ह्यो ब डं तार। पा शि पी वे वो त  
 स वा रि ३६। जी ली एक ना रि न स री। आ वी मुं ऊ ने प्रार पु ना क री। से हा का त व दी धी पुं वि। डुं वा ल्यो स रो व र घा  
 उ वि ३७। ते ह ज ना ग कृ मा रा व ली। स र प एक लं प र ने जि ली। मे ते ह ने सि र मे लं सा ट। ते ना रा वा की पी आ वा  
 त ३८। इ स्यो क ही ने उ चो रा य। हां त व मिं द र घा वा हि र जा य। दे वो दे व त व र ह्यो ते रा वां य। उ उ उ वीं व र मं  
 जो रा य ३९। त मे उ वा कि स का र रा न रा। सा न लिं वा ल क डुं एक अ प रा। स रो व र ना री मि ली ० त व सो य ॥  
 ते ह क ल त्र अ म री हो य ३९। ते घ रि आ वा रो ती ना रि। बो ले प्र शि ना य अ व धार। ब्र ह्म द त अ म वे को ता शिं। मे उं मु  
 सा ल ह रा वो घा रि। वृ ष। मु ज्ज ते रो दे षा म को घा य। डुं रा स न रा उ त री म हा रा य। डुं आ वी उ त म क र वा घा त।  
 मे सा न ली ए स कृ त म वा त। ४०। ते ह का र रा डुं तू वीं आ ज। आ पुं व र पां गे म हा रा ड। व रा न न्वा न वि मी गे को डी द र स  
 न दे व नि फ ल न वि हो य ४१। बो ले बो ले जा व डे कि सुं। प्र। तुं व र आ पुं तूं इ सुं। दी घो व र दे व ता इ जा य। क हि क हे सुं

रहे सुराय ४२ ॥ सुई नालानारित ईसा ॥ अस्यां कवला चंदन घसी ॥ अराज अयो आवसी ॥ वेवो जशरां गिने पा  
३ ४३ ॥ पत्नी कहे गिरो जा आवी ॥ घोमु सुं जई चंदन लाव ॥ कुं ला बुं तो मारे क्षय ॥ ताह रू रां रु प वे सुं जाय ४४ ॥ सु  
णी वातरा जा हस्यो ॥ कहे नारि परमार थ कि स्यो ॥ तम हा सुं आवुं ई रो ठाय ॥ सुं तु मे कौ ति ग दा वो राय ४५ ॥ अ  
मे ने कौ ति ग दा वो को ई ॥ हा सुं अ म स द जा वे हो य ॥ स्वामी उ त म ने म हा रा ज ॥ कारणा प पे न ह सु का ज ४६ ॥ सा न  
लि वा त क कुं तो कुं म रू ॥ सरि से सा थें सा ग व न क रू ॥ ना ष्या ला क रु गा ना भ रा ॥ वा त क हे सुं व हे मां प रा ४७ ॥ रा  
य रां गी चा ल्यां ब कुं ठे क ॥ आ गि ल आवें ए व रु ए क ॥ ज व घो म ने का जे वा वा या ॥ न री स के रा मा ता आवी ४८ ॥ क  
हे बा ली ब य ला न र थार ॥ यो मो ह ल्यो म ला ई स वा र ॥ गा रु थुं ज व पुं ला तां रा ॥ पु जे आ स आ पी मु रु आ रा ४९ ॥ रा य  
तरां ज व आ रां रू ॥ जो का दुं तो मारे ते ह ॥ नि स त जा ति सा व कुं नी स री ॥ अ स्त्री का जे प्र थ वा प ति म री ५० ॥ व  
सु ॥ रा य मुर प २ ए ह सु गी रं रु ॥ व नु द र य रा ध रि ए ह अ वे ॥ न व नि द्वा न नं का र पुं रू ॥ स म र ष प रो नै मे स कुं ॥ सब ल  
आ प सं ग्रा मे सु रू ॥ वो स वि स हे स अ ते उ रू ॥ पा लें पुं रू रा ज ॥ सा वो बो क रु जा रा ए ॥ म रे रो अ पुं वो आ ज ५१ ॥ व ली उ  
पा वो २ सु रा ग य वो ल ॥ ए वो क रु मु अ गुरु हो य ॥ जे तो म र रा आव बु टा लुं ॥ ग लि सो ना नु म्मा क लुं ॥ वे रे ज व ते रा य पा  
दुं रा ज रा ज भ व न ग यो ॥ दे ई श रा गी ने ला त ॥ क ष्ण ना थ मु को तु मे ॥ ह वें न पुं बुं वा त ॥ ५२ ॥ चो प ई ॥ व ॥ पो तार वा त  
ज व ई सा ॥ सु रा गी ना रि वे कुं म न ह सी ॥ र ही ने ल रां सं तो षा डार ॥ पु म ध से न प्रा बा ग ५३ ॥ इ वार ५३ ॥ सु तो हार वे ॥ ल

गानोतेह तिहां मोतानां वां कावेह श्रेणि कहे परो वें एहां तेहने अपुं लाषदी नार ॥ ५४ ॥ पिता विक्रव वा तवे  
एह हारपरो से मरसे नेह न हाउ मोतार अदि कं आय पुत्रप्री बवा बादिर जाय ५५ ॥ राय अरे से वासुं ॥ ५६ ॥  
घरि २ आगशि वाजे पसं तिहां आबी बवे मशि राय अपो लाष परो से हार ५६ ॥ असा वातराय श्रेणि क जीणा  
सहसपंचास अपाव्य आंशि अघिलुं लाष प्रो यां वेह पुत्रता हाशने अपी सतेह ५७ ॥ नानी की नग रूं तं हां ॥  
मुह मोतानां लेई मां म्यां तिहां समे वेह ते सघलां धरे उपरि ले पषा मु लुं करे ५८ ॥ मधुषरी माने मोरानुं वेह माहे मे  
लुं मोतानु वेह तेशां धे की मानी कनी माहे मोता दोरो लेई वला ५९ ॥ नगरां मां हे गइ जेतले दोरो से वेला यो ते  
तले बुधि प्रपंच कस्यु एह जाशा दीधी बे से वजा या प्रांशि ६० ॥ पुत्र से वने लाधो हार अपी राय नें करे तुहार स्वा  
मी कस्युं उमा रूं काज अघिलुं लाष दे महाराज ६१ ॥ जाउर हे विमास्यो एह हार परो न ले स्ये तेह बाजा राय नरो  
सुकसुं लो से एतलो श्रेणि कज सुं ६२ ॥ ययोनि से ते घरि गो पिता मरी ने वां नर ययो नगर तणी वामी मां रहे  
माका एक नारी ने कहे ६३ ॥ जेरो परो यो राय नो हार ते न वुं मशा अपी महाराय ए सो वचन सा न लिंग सो य जाती  
समरणा ति वारे होई ६४ ॥ एक दिवस घरि आवी रहे अषर लिषा पुत्र ने कहे मुउ कस्युं राय नुं काम उगर तां न वि  
दा कां दा म ६५ ॥ नद पाय को मां म्यो जेह घणारा सच ही वां नर तेह दीक्ष कल अहार तिणे लीयो तो वां नर वामी  
मे गयो ६६ ॥ उ सो क घृष आ बु जि से राय राणी वामी माहि ति से अनरा उतारी नें करे धरे करी एक वां दा ब मो नरे ६७

लेईसा निभसक धरें। तवराणी जल की का करें। नीचुं वानरें जो युं तेह। शरपरो यो दिवो जेह ६६ तो ते कालिदे  
विगयो। हलवे हाये हारते लीये। नावा कपानन हलावें पांन। राणी करतिह तीसनांन ६७। आओ पुत्रने धरिध  
सा। आषो हारहा यमां हसा। सात्यो लेई धरिमां पुत्रतेह। आपाने वानरगयो बेह ७०। उविराणी लेई संरागार।  
मांहे अमुलकन ही ते हार। तिहां धरनेसन ही कौई तरो। हारगयो राजा आपरो ७१। श्रेणिक ते मीउ अत्रयकु  
मार। वालो हारमलाई सवार। अवधि दिन सातनी करी। आगो चौरानिज कर धरी ७२। मांयां अत्रय अनेक उ  
पाय जो कुं चौर अने सुआर। दिवस साक्षमें पाषाण्यई। लीयो पोसो गुरुपासें जई ७३। नगर बेह मंत्री सरगयो। सु  
ति सुंर कुल देविरसा। जई वां दे अत्रय कुमार। दिं कुं लपर सरसो परिवार ७४। जिन कल्पनी हूलना धरें। राति बद्रं  
पहोर काउसग करे। पहोर एक गुरुरहे सणपास करे। नगति गरुनी उलास ७५। नगरमा हेवांगी वसरी। ह  
रायनुंगयो जेहरी। जइ देवता जाणयो मंम बां हारो कहस्ये तेह तुं नाम ७६। वसु मनि विमासें श्वणिक गहवा  
त जाणो श्रेणिक जाणसे। सयल मुऊ संपदा गलसे। कुटब सहित जो धिप होसे। चौरदं ऊराजा करसई। पुत्रक  
हो विचार। ऋषि पासे बेएतुं कमुं तेह गले घाल्यो हार ७७। चोपई। पदे ले पो होर जइ अशासरे। सदा गाहात मा गुरुने  
गतिकसे। तो कंठें बिलयागो हार। ययो मुनीवर नटवत अपार ७८। पो होर एक सेवे गुरुपाय। अपासगे गया  
सिषराय। जइ नेटें रूया आवीरसो। निमही वां पबत ते नयो ७९। पुं बे अत्रय मुनी सरणम। कि सो नयो उम अ

१०० आस गृहस्वावास अमुं नवान जेह सुहमं नीसर आ व्योतेह ६० कितो नय तुंम नय घराणं तुंम इष्टांत कहे  
 आपराणं। उजे गानगरी अमुं वांम दुं शिव लङ्का शिव दतनांम ६१ दरिद्र लणो न वि आ व्ये बेह अमे गया सोरठ  
 बाधव बेह काई कारणा काई जलवठ कस्युं उपारी जीवासा राणुं अ ६२ पाबा वन्या हरष मन घराणं हवे लघमी  
 आवा आपराणं शिव दतनी कजे बांधोतेह आ व्यानगर दुक का बेह ६३ दी दो इह जल नै प्रो धार की धी अघोलने पा रा  
 धो नीर जव वास राणुं हा घमे नीयं त वारे मुझ मन मे लुं थयं ६४ मारु वां धव करुठ पाय एडव संघ लुं महा रूघा  
 य कसा विमा सरा दुई जग दीस की क पको मु ऊजा राणी स ६५ त वारे धन मे अनरथ जांशो जल मां हे ना पु सरने  
 घाशो कहे बेधव एका धो सार कुं हो तुं त म मारणा सार ६६ ब्रो ह बे कुं बंधव नाल्यां जई धरि माताने मिला जां राणुं धन  
 आराणो बेघराणुं घराणं दिवस का जे पर घराणुं ६७ ना पु धन जल मः हे जिहां मो हो मा बां मा हि जग यो तिहां ग बो पेट  
 मा हे नारी थयं पको जाल मा हे ता रा नीयो ६८ मा बा अम मं हिर ले ई गयो उठा बे हे न वे का तो नीयो मो नी उ मारा सा  
 का घसा कुं तो वा स राणुं पकी उषसा ६९ मा पुं ते वे टा सुं एह लो न लगे न व मां ने तेह उठिने वाली तेह नराणो तेरो आव  
 ता बुले त्रे ह राणो ७० थई कल कल अमे आ व्ये बेह कि सुं कां मना पायो एह उठि बहे न तिहा था गडी पको वास राणो ते  
 मामूई ७१ जल मा हे ना थो अनर घ जांशो धरि आ व्यो तब की धी हां रा तेरो वेरागे बडु ने थयो गुरु समापे संज मलीयो  
 ७२ फालुं पो व मही वृत नार सा नलि मत्री अ नय कुमार नही रुषि सरने नय कस्यो मुष आ व्यो अनु न वि ई सो ७३ वस्तु

पहोर बाजे शरहे गुरु पास वधा वच सरि नीस गति सुव्रत सिषते करा जां गा गुरु नी कोटे जल हले ही टो  
हार नय आंरिं आवे मांहे अपासरो बोले बोलते सार माहा नयं वरत ते कहे पुबे अनय कुमार एध चोपई  
माहा नय कहे मुना स्वर जेह अम आई सकारण तेह गृष्ठा वास घरा नय नयो हवरा ते मन मांहे थयो ॥  
एव एव उमे उं मं हा नय जेह माया करी कहे अमने तेह अंग देस प्रसिधुं नांम वसता अमे गाम सुं ग्रांम एध ऊं करी  
बेरु धिडुं ता घणी आवी धारु पलापत तरा जापामांहे पई वीधसा डं नां वो घर मांहे पसी ए० वैई संपदा घर मां  
घर बार डूं मांहे नव जां गि नाखि बोलेई सुं ते बां मां नाज नही तुं मां रे मां सै रों काज ए० चोरे जां राणु आवरा हार  
सां र्थे लाधी तेह तरा वार जई पली पति ने ही ध तिरो आपरो घरि नारजा की ध ए० ऊं दे लो क अति मां ग्यो सोर  
सुव्रत क नलत्र लेई गया चोर आरे आरे सडु को करे जई सोधी बो मा तु परे २०० जां राणु वरि न गई नव देहे पा  
बल लोक पारु वा कहे डू ति हां गयो काय माथ ई रक्षो एक लो घरि घरि जई २०१ दी धु डु वति हां घई लाज पुबे व  
बकि सुं तुं म काज मे ते वात जरा वा परी मो करी जो ए घरि २ फरी २०२ पुबे प्रबं न बती ते थई नव रू जोई घस्पं  
हे जई ति हां लगे एक तै रो मं दि र हा सुं राणी वात आवी मु ऊ क हि २०३ मे ह तां त क हो उ म त रो ते ह ने हर ष थ यो  
म न घ रा न ले प धो रो मो रो स्वा मि डूं सा थें जाई स मु ऊ गामि २०४ प ला प ति धा मे जाई सै सा ऊ स मे ध र न व रू  
इ सै मो क ले जो महारो न र धार सां न ल वा त हे र ष अ पा र २०५ दि व स आ ष मे वे ला थ ई डू उ नु ति हं म दि र जई उ

वाने अति आदर का घलो तो लेई उ जो हरषे दाध नो जन करी बिबा हीषा व घणा दिवस उम जो ईवा व विलुं क्षते का  
 हरा कसई पलापति घरि आ व्योति सई ७ तेरो पुंषारो का धो बार पलापति तें राषो नारी उऊ विने कहे ते हेने ईसो ॥  
 अले पक्षस्यो मंदिर विसा ८ पो व्योते सुषसे ज्याथई वात कहे पग चापी जई केऊ आ व्यो मुऊ नरयार कि सुं करो ते  
 हने उपागार ९ अगतिक रूंकं ता हर खामा उऊ मुपी यपो हो वा मुं वां मि इष्टि चढी वाने बोले ईसो मुऊ आप सुंक  
 रू एक स्यो १० जां राडि इष्टि फेर व्यो बोल ईहां आवे तो मरे निवोल सांन करी देषा म्यो तले तेरो मुऊ का टो सा ही गले  
 ११ घरो घाउ अतिक लो प्रां रा आले वा डेवां धो ता रा ऊम मां हे नाष्यो पा एधरी खान आ व्यो तेरो गंध करी १२  
 परमा बंध मो क लथयो पलापति सु तो ति हां गयो साहसा कथई घम गति हां लाध रां ऊ उवा मी म होरे की ध १३  
 काढी षम गड्डे के के थयो राति विहा हो अट वी गयो ना वो वं म जो ल मां हे जाई केऊ ह वा हर स परां रा थई १४  
 नाष्यारं मे जी धम फा मि तेरो अहे ना रो आ वा धम वीट वं स जाले डं धस्यो घरो घाय अति जा जरो क स्यो १५ सरवे  
 अं गे धी ला वो का या लें गं शते पा वा ग या एक वां नर ही ग ड थ थई मुर बा ध मो व रू हे वि १६ घनी एके बे वो ते थ  
 यो उ वि ने व न मा हे ग यो जई उ ष धी आ शि बे हे एके षी लाना स सरा ने हे १७ बी जां घा रू जा त त काल उ वी मा ढी त  
 सावाल लिष्या वां नरे अ पर घणा जे बे सा वां व्या ते ह तरा १८ सिध व ई द ते मा रू नाम व स तो डे ग्राम सु ग्राम आरति ह  
 धं न कर जे मु न अट वी मा हे वां नर डू उ १९ उ दी वो र हे ति हां स पनुं जाती समर रा मुं ऊ उपनुं निरा बा ध नुं की धुं आज

प्रोहोचुरककरामुंऊकाज॥२०॥ऊवनसोहेहुं तोजिहां। सबलवांनरआव्योतिहां। जुषकराकाढोवनबेह। जुषजोगवेमहो  
तेहं२१॥ अलजोवईअटवामारहुं। नहीसमरथकोईजेहनेकहुं। उठोकराबावांनरचालि। मुऊआराधोवेरापाति॥२२॥  
थईमोहोरवांनरनासरो। आबीजुषपाषलांफिरो। बेवेरावलगाविकाल। जुऊकरादीएउचाफाल॥२३॥ जित्योवांनर  
कीधोकाज। उमआधारेलाधोरज। मोकलावाईमवलाहसो। हईएवांनरनेवसा॥२४॥ पमारतिनेपेगेगाम। जईउजोरसो  
तैशो। वाम। काढोषरुगतेहनोतांशि। हरापलापतिसुतोगोशि॥२५॥ बाहेधरनेवेगीकरा। दोषीरूधीरनेतलाईनरी  
थईप्रहोरनेचालीआऊली। पाबलनापगिबुंधनठली॥२६॥ आराधरिसगसिंहमिले। नलुंकरूंकहीपाबोवले। जेअनु  
नबीउकसोअयतिस्यो। तेआवीनेजीनेवस्यो॥२७॥ रातिबहोरगईजेतले। जोसाकरुषिआव्योजेतलई। करंपरजुपास  
नहरषमनतरो। दीगेकंवहारनिजगुरूतरों॥२८॥ अयबीहतेव्रतमेलीयो। आअयतेहपुठेथयो। आवीमाहिअपास  
रेरहा। मुषअतिअयंवरतंतेकहे॥२९॥ वसु। पांवइंडी२करेवससोय। व्रसव्रतवागानेवहे। पंचविधआचारपुरा।  
चारकषायरहीतहुआ। सबलसीहजिमआपसुस। पंचसुमतित्रेणागुपतितिस्यो। पंचमहाव्रतनारमुनीवरनेअ  
यसेकसो। पुबेअअयकुमार॥३०॥ लोपई। वासअमारोसांनलिसोय। उजेराअलजोरोहोय। गुरासुंदरपितासवि  
वार। लषमीतरों। नलानेपार॥३१॥ मेरुधिपांमाजोवनितरा। कन्यादेवाआवीघरा। हुपरणोमध्यध्वमऊलनारि  
अवरनबीजीबांधुवार॥३२॥ हुपरणोउजेरावनी। मुऊकन्यागुरावंतामिली। आराकरवाउजेरागयो। धामोले

३३ एकलोगयो ३३ नगरदुकमो आवोजिसें वाटेदिवसें आषमोतिसें एकनरिअतिरो एघरां मेवारडुषकरे आपरां  
 ३४ डुषतरो नविलाद्वेपार सुलाघाल्यो मुज भरधार दुजो जनलेई आवीईहां कि सुकरूं जोना आबुतिहां ३५ वदिमु  
 ऋषंदे मलाईसवार देजो जनताहरो भरतार उचुं जुंईने विरासकाज उतमनरमुऊ आवेलाज ३६ घांमो अलगोपासे  
 धरी बेहुं बां हउपत्रजीकरा काटीकातीकापेपं करमीयामांहेते घालेरं ३७ षाएतिवारे वबरथा ए टीपां लागे  
 माहरे पाय ० तवमेदी धीं उची डुष डसका वीनेनां षीदेव ३८ पमीरां कतवषागे गई कुं ना वोते के मेघई उजेणीन  
 गरागयो जिसें प्रोलप्रोलिएदा क्षातिसें ३९ वारनौ उघामो वार मेमांहेसको चुंसरां नो नार एकपग साहोरष  
 सी मुलष काते का प्यो घसा ४० तेरो वेदना घरी उबले नगर लोकसहु आवामिले देवतरां नवनबे जिहां डुरगा  
 मेलोपाबो तिहां ४१ कहेदेही वबसां अलिधात उजेणीन गरी विष्पात एपी वरही सिधनी हो इरां वबहिरनरहे कोय धर  
 चोस विसध जो गिनीने मिले मनि आवेते मेहने बल पबे मरजा दामेते करा मांहे आवी तेहने नसके हर ४३ उनविजा  
 रो बाहिररहो माहरे सररो राषसी एगुहो उठी देवतव आपे माल नवोपग आवोततकाल ४४ पके ताठदेही घरहर  
 बालीने पोहोतो सासरे तेहवे आगिल दोषो बे वार सासु बेठी करे अहार ४५ कहेए किहां नीपायो काज नवो मासमीवो  
 एआज माता उमजमाई मल्यो बाहरपेसेतो तेमे मंगल्यो ४६ धुरहुं तूतेरो कसो विचार एतेहनी कफि नो हथायार सु  
 री वातने गाबो नयो थयो प्रभातने पाबो गयो ४७ वत्रनारीनां दीवां बहुं पबे एतजामेसहुं मने जाशयो एअधिरसंस

तोमेलाक्षेमंजमभार ४० डहा मुनीवरनें नय कौनहा सुशामंत्री सब रह पुरव नव मुऊ सां न सो मुष बाला हो तेह  
४१ पोहररहा एतिहां मुनीवर गुशा नभार ४२ मना मे सेवा करे गुरु उर दी बोहार ५० आवा मां हे अपारे पोहो रर दो मु  
वीहां या नया त नय वर तते मुष बो लेई मजां रा ५१ म न्या सर पुठे एतिसे मुनीवर कहो विचार तेहने न विसो सं न वै पं  
चमाहा व्रत न्ना ५२ पुरव नव वक्रु न घणो तेन वलात्रे पार माहरे मुष आवा चने सांभलि अ नय कुं मार ५३ वो पई उजे  
रानी नगरी अ मवां म धन दत से वपि ताने नां म सुं न डाना मे अ मारी मात डं तेहने बे दो सुशा मारी वात ५४ महारी क  
लव श्रामति होई ते मुऊ ने अति भगती होई ते माहारा पग धोई पी न ए विनय करी वसे मुऊ ही ए ५५ एक वार आ मरा  
डुमरा पुं बुं तेह कारणा भरी ते लाजेन विबो लें घणुं मुह मो सुं डं प करे आं प रां ५६ मृग पुं ब मां स सां न ला तेहने अ नि  
लाषा यई डुर बली तेहरा के हने बे वार जिम डुं ऊ आ रां आ पुं नारि ५७ तेह घरि श्रेणि क माहारा य तिहां जाऊं तो  
संकट थाय माया वना काम निमन लहा वीर द उ मारे न सकु हरा ५८ हरष थ यो न बो लेई सो मुऊ तेरो बाजे बे कि स्या  
जुशत लीन पुं रूं आस कि स्यो सुष माहरो घर वास ५९ लेई धनुष नें चाल्यो जिसें ग यो डुक मुं रा ज ग हा तिसे वन माहे पारणी  
बे जिहां मे वा सां मो ला क्षे तिहां ६० दासे अति ग शा काना वं द गा ए गी त करे आ नं द अति हि स रूप मु ल गी जे ह विद्या धरा ठ  
पानी तेह ६१ दी क्षी बुं ब थ इ मुऊ जा रा मे तु वी नें मे लो बां रा ते मा सो हारा ना सि वें हा थ वि बुं वी सरो वर पनी ६२ तरा सरो  
वरने बाहिर रहे आ वी नें मुऊ आ गिल क हई उठ त म मुऊ की क्षी सार कुं न ही बुं टु ता हरो उ प गारे ६३ मुग ध से न मुऊ सां

धैलीध जईमंदिर मुऊमोजनदीध करीअगतिपुबेमुऊरेस कवताका जअव्यापरदेसै ६४ धुरलगेवातसद्धमेक  
 हाउगणिकारेकीनईरही वरतनजांरौउमेस्रातगो उतमपुरुषनमाओघरौ ६५ असतीडुरावारणातेह जौजो  
 पुरुषनजांरौएह मुगधसेनवातजकही नस्याधमाउपरिनैवही ६६ मुऊमस्तकचूकामणिकरई रषजौत्रीयो नग  
 रमाहेंफिरें आणिलवाजेगाणत तोहिननाजेमाहरोचित ६७ हाथाबुटोअणिकतरौ नगरलोकरंजांओघरौ ॥  
 पाऊगढमढपोलिप्राकार डंसहामोउयौतेरावार ६८ डहागजसिषाकरणाऊसल मेंवसिकोक्षेतेह नगरलोकर  
 रषोसद्ध कहेंउतमनरएह ६९ मुगधसेनघरिलेंगयो आपाषाठविबाहि बेवीमुऊपजिचापवा डुंमुंतोघरमाहें ७०  
 डुंजाईसनाटिकडसे अणिकअगलिसार उमेंपक्षरौजौवईवा मिलसेलोकअपार ७१ डुंषाकोजौउउमे मांभुं  
 एहउपाय ईमुंकहानैमोकली मृगकिंतानविजाय ७२ नवरुंजांरौनेगयो नवकरितारामुंवरषवालानाटि  
 कडसे डुंलाविसमृगपुंठ ७३ नामीमेंपेवौंजिसे तवपाहरीएलाध जवलेईनेनासस्यो ७४ तवमुऊतारणीबाध ७५  
 वौपई अणिकअगलिनेईगयाधरी घरौकषे बडुंबंधराकरा गणिकावरसीनाटिककीध उवौरायत्रिण  
 वरदीध ७५ वस्तु कहेंगणिकारयअवक्षर स्त्रीमीवरपोनेधरुं महाराजमांगसिंविमासी पायाकेडुंअग  
 लिधरो गृहोचोरजाईसेनासी वोरदंरएहनेकरुं रायदुयोदीधमाया करुं मुऊएकवर गणिका मागानीध ७६  
 वौपई डुंजौमावीसाधैलीउ घरौहरषगयाकानेछयो घरिआवीनेआदरकरें स्वांमीस्यो करसौ जईपर ७७

उलग अक्षरखे लाथई मुगधसे नराजमाहे गई बीजोवर मुऊ आ पुं वला ॥ कुंपति मांगुं थई आ कुला ॥ ७६ ॥ राये दाधो दरष  
अपार घरि आवी कीधो अरथार तेहनी नगति तणी नही मरा ॥ मुषदिह मावो लो घरा ॥ ७७ ॥ तेहने वात कही आपरा  
कडु तो जाउ घरि नरा ॥ घरा दिवस सया जो स्ये वाट करती होसे नारि उवाट ॥ ७८ ॥ उमे नव वरत लसो ते सरा ॥ ववन  
सुहाते वासो घरा ॥ असत्रान होई केहने हाथ ॥ वालो आवसुं कुं उमारे साथि ॥ ७९ ॥ मुगधसे नगई राउदु वार ॥ माहारा अ  
शि अक्षर ॥ बीजोवर मुऊ आपोषरू ॥ हवे मुऊ उलग पुरी करू ॥ ८० ॥ करी सजाई साथे घरा ॥ बेल्पा उजे रा नरा वा  
नगर दुकमावन माहे जई ॥ तेहथी हरक्षारति जवथई ॥ ८१ ॥ मुगधसे न बुधि दाधी परी ॥ पहो तो रूपपालटा करी ॥  
जो वावरि नरा कडु थयो ॥ घरा कुं दतो मंदिर गयो ॥ ८२ ॥ उतव नारी मां हिथी कहे ॥ अहोरां करणी पदिवे रहे ॥ आ व्यो पुरु  
ष एक घरि वार ॥ महिथ कीत बआवी नां रि ॥ ८३ ॥ लेई अ नौ पुपो थो ॥ जई तिहां रही मुऊ घरा री सथई ॥ आ वां नि ड बेड  
ने जिसे कुं उवा मादि गयो तिस्ये ॥ ८४ ॥ का दोष मगनि पात्यो तेह ॥ कुं आ वी सु तो घरि बेह ॥ मां हि रुद्धार रे नी जव गई जागी  
नारि ते बेठी थई ॥ ८५ ॥ षणि षाम घात्यो बाप मो ॥ उपरि पांणी मां मी उघ मो ॥ पा बाग यो राति तेहां रही ॥ वात मुगधसे न  
ने कहा ॥ ८६ ॥ ते मे क सो ते सा वो सो ॥ अस्त्रा चरी नन जां रो को थ ॥ चाली नार जाने ते लहि ॥ पा बाग यो रा जग्रही वही ॥ ८७ ॥  
घरा का लते सुषी थयो ॥ वली एक दा पा बाग यो ॥ अति से न धरती तेह नारी ॥ लो तो लेई आ वी घरि वार ॥ ८८ ॥ ही पुं अ नु  
ष आ दर घरा ॥ पुबा वात हरष आपरा ॥ स्वां मा घरा दिवस कि हां क स्यां ॥ ता हरे का ज वै सा नर फिसां ॥ ८९ ॥ जो थु पि रा न

विलासे लेह कुं पाबो न आब्यो घरि एह आब्यो न लेहर घ मनि धरे नौ जनतणी मऊई करे ए२ कुं वे वोवे स राथई पेहिले  
बैवो वनी तिहां जई पबे प्रासे मुऊने सदा मेते हने पुबो एकदा ए३ करा अबो व घेवर मुऊ घीस मुंशा वय राने चमक्यो  
सास बल उं बोले आऊली उमउ परू बे कोई कवली ए४ सघनी तणा ससाई करावे ती तूलेई आगलि धरी सहा मोवे  
वोवे सरो घेवर नी पायां घी घरो ए५ एक उतारो तात नणी बलुं कहे नाषो पापणी पकोते घमा उपर जई ताहारे  
सघणी मुऊथई ए६ ताहरुं पातर घमा मां हि अबे वै प्री सी मुंश प्रासे प्रब ई सो मुशा ते रोत लोता शा उरवे उमुञ्ज  
उपरि आशा ए७ बलो मील वेदन थई सुतो घरि पताने जई घरो क ष्टेऊ सा जो थयो गृहस्वा वास कुं मन नयो ए८  
षयावेश ग मुऊ का जमे का ध गरु समापे संज मली ध पहेलो सरीरें लूल पको तेह नय आवी मोहो मेव मो ए९ पो होरें  
चार जव पुरां षया पो सो पा राने बाहिरे गुया जई कुं मा अ नय कुमार गरु नी कोटे दी गोहार ३०० मंत्री सर मनि अवि  
रज नयो गुरु वां दी हार ते लीयो धन्य मुनी सर देषी हार आपणा पां ना क हो विचार ३०१ उठी मंत्री अ नय कुमार जई रा  
जाने आप्यो हार नि मुगो श्रेठ सा क वरतांत घरो लो मेन टले के उचित ३०२ साधु बोले मुऊ हई मे वस्था कुं व क क हेतु  
मेन हा ति सां अंतर जि स्यो त मेरा ति ने हा ह मुनी उमे जि म सरि षा सी ह ३०३ वसु क कुं क व क र कवी य रा ते ह सी ह व  
शा र सी न ग रा य न लुं राज रा य जित शत्रु पाले देव द त ति हां वै द बे सकल लो कुं व रोग दाल पुत्र अबे बेहु  
नान मा ते पां म्पो पर लो क राज वै द बा जो र ह्यो ते ह स कु माने लो क ३०४ चो पई एक वार उ प नो का ज घरो आमं व

रपहोवेराज। दीवो षड्गयो धरिबार। देवदतनारोवेनारि ३०५। आया पुत्रमायने पास। किं सुं दुषदीयो आस। आगे बत  
पिता उमजैह वेद नो गवे बीजो तेह ३०६। अरा सुं। अमेमरो स्यो माय। तो बेचंपा पुरी जायति हां जागर बेवास। पिता मंजी  
पो हाताते पास ३०७। वैदक सास्र तिहा जेत सुं। तेस डं अणी वल्यते तलुं। मं नरं जं आवे बे बे बंध। सीह एक दीतो जा वंध  
३०८। गुरुना वयरा सुणजे सार। निरा धरने का जे उपगार। लघु बंधव ते वारे प्रांरा। पात्र कुपात्र पटंतर जो रा ३०९। को  
स्यो धरु क हो न विकरें। चुराले ई आषिमा हे धरे। वृक्ष उपरि लडु मो गयो। तेत ले सीह देषं तो ययो ३१०। कस्यो उपगार  
नयरां ते तो लाध। उवा पहलो तेह ज षाध ॥ जई धरिका धील डटे वात। धरो दुषधरे तेह नी मात। १११। डहा। जिमते सीह  
केत घन थयो। का धी तेह ना धात। तेपरि मुऊ का धुं डं मे। सुं रो मुनी स्वर वात। ११२। बोले मुनी पति माहातमा। सां नल अ  
चक जो रा। मेतारज सरिषा रहे। तेह ना कसू वषां रा। ११३। दोषई सुं रा साकेत। नयर सुं वा साल वंड। वंत सक प्रजा पा  
ल। पवरां रा। प्री यदरसन जो रा। बीजा पदम वंती वषां रा। ११४। तेह पुत्र बाल वंड गुं रा वंड। बीजा सागर ससी मुनी वंड ॥  
राजारणी का उसग कीध। हा वात रो अत्रि गृहे लाध ११५। सीवै दासी नग ते कश। रहो राय मन नि धल धरी। लो  
ही नस्यो दील सुकमाल। स्यो ज्ञात तव कीधो काल। ११६। देव लोके देव थयो सोय। पाबल राजन बेसे कोय। सागर वंड  
कहे नही को काज। बाल वंड ने आ पुगज। ११७। कहे प्रधान सागर ससा सुं रो। अनुं क्रमे पाटिबे उमत रो। मकरि वि  
बे उपनुं काज। विरा कांवे ते बे सारा काज। ११८। डहा। राजाराज प्रजा सुषा। हा गं मं अरा देस। बंध धरे वां मरबले तवनी

सरीउनिरेस ११ वतुरंगस न्या परवस्यो दीवी मत्रीतिह राडान लीधुं आपता बालचंडने एह २० राय बांधवते मीया  
 वेजे मला उ वारा अख का मारा मतिकरी प्राकौराय अपार २१ मा ता ए भौ दिक मो कल्या सा मराने के म पद मावती रां  
 ए दं दो लीया मा हे ऊ मारी ते म २२ वौ पई बें ठे राय वृष बां हे जई मो द क ले ई दा सी ति हां गई दे षा क चौ लुं रा ए ली  
 ध व हे ची ने ब डू बंध व दी ध २३ मो दिक षा धा थ यो वि ष घार प म नो म त व हा हा कार घ रौ रा य पु बे दा सी ला मु क  
 वे रा आ प्या आ वा स २४ मा ता उ मारी आ ध प्या ए ह डू ले ई आ वी ध र बे ह मार ग मु रु पो मा व ई म ली हा षि दं दो ली पा  
 बी व ली २५ तौ ते रा य प्री बी वा त मु रु मं त्री सर की धी घा त गुरु का धे न मा हा त म क हे ते से गुरु रु ति हां आ वी र हे  
 २६ वि ष उ त रू धं घ रि ग यो रा य जई पो मा व ही ने ला जो पा य मा त उ मारा पु त्र दा यो रा ज ह वे डू क रि सुं आ प रौ का  
 न २७ पहि लुं दे ता त मे न विलो ध के के ए व मो अं तर की ध उ मे मु रु ने की धो उ प गार ह वे अ मे ल सुं सं ज म नार २  
 ८ बाल चंड ने था पी रा ज तौ रा जा ए स डू का धो ता ज घ रौ भा वे दां न ब डू दी ध गुरु स मा पे सं ज म ला ध २९ व स्त्रु  
 गु रा सा ग र २ चं ड रु षि रा य गु रा ब नी स सुं ग हे ग हे वि हा र क र्म गुरु सा थे की ध बा जुं स डू अ सा र मं ज व च न रा गु  
 रू त रां ली ध ब डू सा क व च ने सुं रा पो उ जे रिा पु र ए ह दे व न वां र को ति हां पु बे रु षि रा य ते ह ३० वौ पई सा ग र चं द  
 सु रा र ष ते ह बे टा रा य प रो हि त रा ने ह दे षि ड ष्ट क रे अ प रा ध ते रो ति हां को ई न वि जा ए सा ध ३१ ए सा वा त ते अ व रौ  
 सु राा क हो तौ डू जा उ ते ह न राा प्रति बु रु डू न त्री जा म ली जि म क हे ने न ऊ वा ट व ली ३२ गुरु आ दे से ग या त राा वां  
 मि ति हां म हा त मा र हे बे ग मि जई बा नो त ह मा हे र हौ ने द न का ई के दे ने क हौ ३३ मा गे पा ज प रो राा न राा ह वे र वा  
 हा र क र से आ प राा सा षे मो क लो चै ल्यो मि लो पु र षा प्र व दे षा मी व ल्यो ३४ प हो तौ मु नी व र रा जा डू आ र घ रां षो

लीएनकीधोक्षर।माननहीराजमाहेगयो।धरमालाभकहीउचोरहो।३५।राजलोकसङ्करागिमिनी।रुषिवर  
 मुहमेबोलेवला।नविडुष्टक्यारेजवकर।मोकवाथकीआवोउतरी।३६।नेप्रउपलालीउतेगोतारा।उंरुषि  
 सरकाईनाचीजोरा।जोतमेगाउवाउसार।तोडुंनावुंतावअपार।३७।पुरोहितनोपुत्रवाहेचंग।रायनुगाएगी  
 तसुचंग।नावोमुनीवरअयोमनचंग।ऊमरवेडुनालाप्याअंग।३८।उंमेमुखनविजौंरोगात।जांतेगोननेजेमारी  
 रोचौर।पम्यामोमतवमुनीवरगयो।तिसैरायमंदिरआवयौ।३९।ऊमरतमव्योत्रोजनअगा।अतिवेदेनापुत्रने  
 घरा।तेगोथानिकतेआव्योनुप।तोतेपुगीयोसयलसरूप।४०।जतीकेकेरायपालोपुल्यो।नगरबेहआवारुषि  
 नेमिल्यो।देषाबांधवनेलायेराय।घणोषमावीलागोपाय।४१।मुनीवरकहेएसुंकीध।राजननेसीषामरादीध  
 जोवेदिष्यालाएमननविसा।जांकरूतिहांडुंआवि।४२।पुत्रपुगीवासनाकरिरुध।तोतेरोथानिकमुनीवरज  
 रया।साजाथयाग्राहेसंजमचार।गुरुसाथेबेबंधवकरेविहार।४३।राजपुत्रनीनिरमवबुध।तोतेदिषापाले  
 मनसुधि।प्रोहितपुत्रमाहातपकरे।बोकीसाडुगंमनधरे।४४।मलिमहातमानटालेकोय।रुकोऊलबीसरा  
 तुंहोई।जातितगोमदएतलोकर।अवित्रजेतेसुराजोवला।४५।बेहेकेतेअरासपाले।देवलोकपदोतातेगोका  
 लि।एकवारबांधाकेवला।धरमदेशनातिहांसांभली।४६।अगवनअमेअवबुंबेह।एवातनुमकरस्योदिह।आंबे  
 ऊपुरोहितनुंजेह।प्रतिबुऊसेदोहिलोतेह।४७।तोबांसराबेवोईमअगो।राजपुत्रतेशवरगोसुरो।पहिलुंचवीजे

सं

माहसुं प्रतिबुद्धवोलेताहसुं ॥ ४६ ॥ देवलोकेतेआउ ॥ पुंफालिचवीकषेआव्योचांमाल ॥ मनआरोपीपंराघुवारो  
 डगवाफलएहउंजांरा ॥ ४७ ॥ वसेपासेएनग्रहीमकार ॥ धनसेवनेनइनारि ॥ तेहघरिचितकरेसदा ॥ तेचंमालपुवेएक  
 दा ॥ ५० ॥ तोतेरोकहो गुसुआपरो ॥ डपअपतिजेमुआजरां ॥ हमरां बेटोताहरोहोय ॥ मुऊआपेनविजांरोकोय ॥ ५१  
 आपीसंमुऊघरो ॥ तोतेआवाघरिआपरो ॥ बेडुनें वोरूआव्यासाथें ॥ बांनोबेटोआप्योहाथ ॥ ५२ ॥ ग्यांपालटीनेंनवि  
 जोरोवांमि ॥ सेववक्षामरांलेईतेतांम ॥ हरष्योहईएउलटघरो ॥ धनवेहेवीतअतिथरां ॥ ५३ ॥ रूपेऊमरजिसोऊकाम  
 हीधुतसमेंतारजनांम ॥ अतिमोपोदुथयोजिसें ॥ कहेदेवतासपनमांहेतसें ॥ ५४ ॥ लैदिष्यामलाईसवार ॥ तेनविबुऊ  
 एकलगर ॥ वावारीएदीधीदीकरी ॥ कन्याआवासांमगीकरी ॥ ५५ ॥ लगनतरोदिनउबवबडु ॥ नरनारीसरांजारांसुडे  
 जवघोमेवरथयोअसवार ॥ मांरासतरोनविलात्रेपार ॥ ५६ ॥ धरिनामरसरउपरिबत्र ॥ बाजेपंवसबदवजित्र ॥ मनेवि  
 मासदेवतातेह ॥ सुषेपम्योनबुऊएह ॥ ५७ ॥ तोचंमालसशरेंअवतरें ॥ रोअरां सौरबडुकरें ॥ नहाबेटोमूहरेकोय  
 डुपरगावुंउबवहोय ॥ ५८ ॥ कहेचंमालडुषमम ॥ मुऊबेलेमेंतारजजांरा ॥ तिवारेहाथेंबुसुंलीध ॥ कृतीनेसडुअ  
 लगांकोध ॥ ५९ ॥ मेंताजैरजनेबांहेधस्यो ॥ एहवासांएपुत्रमुऊहरो ॥ लाज्योखजनसडुतेतरां ॥ आरांघरिविगोत्रघ  
 रां ॥ ६० ॥ पाषलघरेहारुतेहतरो ॥ अतिदुरगंधमाषीबराबरो ॥ तवारैहईएविमासीजोय ॥ एताघारनरगुनुंहोई ॥ ६१  
 कहेचंमालवोलेमुषईस्यो ॥ उविषवादमआरासकिस्यो ॥ नहीनगमुजवारोआलि ॥ परगावांसबेटिचंमाल ॥ ६२

रष

५३

२४

उंचाट करे अति घरां। केहने कहा एदुष आपरां। घरो कष्टेरातिजवथई नावेनिद्रनवते गई। ६३। कहे देवता  
उ सुतो कहे जांग। काई उ बो हो एते माग। उठाने उ नोरहे। तमे कवरा बल तो ईम कहे। ६४। कहे स्वरूप पुरव नवतरो  
हरषो मांहे हई एते घरां। अहो नरगष का का बो बेह। तै उ दिष्पा म करो संदेह। ६५। तो देवता ऐ बोल घा पाऊ। देई  
बुद्धिने बो क रु आपी ऊं। लीमी सलैरतन बडु करे। लेई वं माल ते घाली नरे। ६६। नित्य श्रेणी कने नैटी जाय। एक  
वार ते पुबे राय। ता हररतन कि हा घा एह। कडु वात सुगा राजन तेह। ६७। माहरे एक बो क मुं जांणि। करे रतन ते अ  
पुं आरि। तव बो क रु मां ज्यो ते हां पास। अरि बांधो राय आवास। ६८। लीमी करे ई सो ते कही। ते रांगंधे को ई न सके रही  
उरतराये पाबो दीध। ए रोरतन ई हान वि की ध। ६९। लुनित नेट करे स्यां नरां। मा नलि वात कडुं एक आपरां। मुं ऊ  
बेठा उरु बेटी आप। स्वामी बोल अमारूं थां म। ७०। रा सथ ई राजाने बडु। एह ना घर उं मारूं सडुं। अ नय ऊं मार कहते  
ह सुं रा। राजा रा सम आरोग घरां। ७१। सांनिधि करे देवता कोई। हरां ए बे पार पुं जोय। वता एक बे राय ना करे। तो एह  
काजता ह रूं सरे। ७२। जो वि नार गिर बांधे पाज। गाम गढ सो ना उ आं ज। को सा से बे से उ र पुत्र। उपरि बांहे राय ना  
बज। ७३। तव वं माल घरि आ वारहे। सांनलि पुत्र राय ईम कहे। तेरो देवता सा नाल्यु जि सो। सं घला काम नी पाया  
ति से। ७४। शुध ल गन राय श्रेणी कली ध। घरो महो बवे बेटी दीध। पहला आव कही वरा जेह। व्यवहार ए पर रा  
वी तेह। ७५। आ वी कहे देवता ई सो। लै दिष्पा हवे जो ई कि सो। दिव सके तला परुषो उमें। कहे मे तार जले सुं अमे ७७

बारवरसनीकाधीनीह घरोसुषेतेवो व्यादीह तो देवतासंभारि आवे भेतारजउठीउबहु आवि १७८ नवकनातिहा  
उभीरहई आवावातदेवनैकहें बारवरसअमनेदीएएह वलीदेवताएहीधीतेह १७९ तेहनेबारवरससुषेग  
में वलतोदेवजशाव्योसमें श्रीमाहावीरनेहाथजई नवकन्यासुंदिष्यालीध १८० करेंमहातपनावेघरो  
पहोतोभासषमगापरिगोंगयासोनीतरोघरिजिस्ये घग्गाअगेतरजवतिस्ये १८१ यथेष्टिकपुजाकाजनि  
त्यनित्यलेईजारोराज किस्सेकाजघरमांहेगयो तिस्येकौचपंषीआवीउ १८२ रुषिदेषतावागीजवतेहउसो  
नारआव्योतेह नविदेषेतिहापहोतोवहा जवमाहातमाएलीयासही १८३ नाव्योअवरजवउमेनाध मुनावरद  
यकौचनाकीध मौन्यकरानविबोलेमाध दूष्टेवाडलेईमसकेबांध १८४ लेईकोम्योसिरउ परिधरीमु  
क्योघाउडुष्टनीसरी संजमथुंमनननुंलोहि आवकसाधतरणीपरिजोय १८५ नकहेदयाकौचनाआणी  
नवपुरवधरईसुविषारोवेहोअतिहेवेदनवली अंतगरुद्रयाकेवली १८६ कुतोकोचवामाहमाहेजिहा कावी  
आरोनाष्योतिहा जवतेनरुंदेवुंजाषि वस्येजवतेबीहते पंष १८७ जवसोनारेंदीवांतेह आहीमेंसुंकीधंर  
ह मास्योमेजमाईराय उगरवानोकसोउपाय १८८ तोबीहतेकामएकीध कुटंबससमेंदिष्यालीध सुंरावा  
तसेववातरुषिराज नहासांधुनेलोभकाज १८९ लीधुंकहेनोतेनविरहें आंपरापेंडुषमालेसहें सुंरावान  
सेवकहेंअमें भेतारजसरिष्यानहातमें १९० मिलुंसाधनुंपाश्रुतांरि सुकमालिकासरीषाजांरा कहेमुनीपति

रुषिकङ्कदिचार। कृष्णकहि ए सु क मालिकानारा। १२ **दुहा** चंपानयरा जोगी। राजा जितसत्रु जोय। तेह नारा सु  
कमालिका। रूपे अवरन कोई। १३। ते राणी लबधि घरमा हेरहे। अवरन कोई काज। घणो प्रक्षिने प्राबव्यो। नकरे वि  
ताराज। १४। देटी जाई बाप घरि। बाई निशे सो काजे बे हने पर घर मंरणी। बेटी लाडुं फोक। १५। जाई आ वीनव  
सके। एक लमा जगमाहि। जक ही हई एक ला। सही नपेले बाहि। १६। अस्त्रा बाहिरें ही मता। निवे जो किम होई  
जुते जई सहे जसो। अमर भप मे सहु कोई। १७। अस्त्री जव असु हां मरणी। कासर जो करतारा। पिरा अदि पिरामो  
कला। राषोषु निवार। १८। तो पर धीं सो उपाय। राय राणी बेडु मंदिरा पाय। उपा मीवन माहे लाध। के मे राज  
पुत्र न दक्ष। १९। षाट सहित तिहां मुक्या जई जाणो राय जवनि ड्यगई। मन मां हे कारणा जाणो तेह। हवे राय  
थका काक्षा हवे बेह। २०। राय राणी ते मुकी षाट। आघावा ला लीक्षी वाव। घई तर सी रां राणी अति घणूं पा एरा  
एरु धर आ पणूं। २१। आ घेरा पोता जेतले। घई रां राणी सुषा ते तैले। नसके ही मी बाहि साहि। नहा को फल जो उ  
वन माहे। २२। राय मंस जंघनुं कापि। करि का ला रां राणी ने आपि टली सुषत राणी वेला लही। वरा रसी नगरा ग  
या दहा। आ नरा एक राणा एदी धते ग्रहे रो मुको घर लाध। घरन वाहानुं करे उपाय। हाट उघा मी बेठी राय  
फल जो युं ला नोदय घणूं। उपार जे राय धन घणूं। गयो राजा घरि जो जन अराणी। वांत कहि सरव आपणा। ४००।  
घरि एक लाना वरे राय। सिरषा वरस दिहामा घाय। उबिने चोहि धिं गयो जस्ये। एक पांगुलो दिवो तिसई। ४०१।

मधुरसरेतेगाईगात बंशांरंजवेलोकनाचंत तोराजापुढेतेहपास जिमेजिमरांअमारेआवास ४०२ सांनीबोल  
 धरिलेईजयो जमोजमरातेतिहोरहो कहेरायरांरांनेएह मासेगातघरेउरेह ४०३ एमुंकहीराजासंजरे  
 जईहातेविवसाकरे अतिहेविनोदगीतसांनला राणीराजतऊईपांगली ४०४ असतीहईयामांहेधरे  
 होएनलो जोराजामरे वंसतमासेऊन तोरायवषाणि नगरलोकमनउबवआण ४०५ कामाकरेसहुकोज  
 हांरायरांराबेऊंगयातिहां अडकपरांरायनेमोहे पुडपरांराणीमनिदोह ४०६ सांमीकसांगंगाईहां  
 वहे तिहांआवांउजोरहे अरुषेरहीजोईतेसुंराणी मांहेवेलीनाषोपापराणि ७ राणीहरषघरांमनिधरोघ  
 रिआवापांगलोआदरे करमजोगेतेराजातस्यो चंकीजापराजाउतस्यो ८ मुप्रतिष्ठनगरबेजिहां अनुंक्रमे  
 राजागयोतिहां तितोनगरेसोक अतिऊओ अपुनीयोरायतेमुउए पंचदिव्यअधिवासाजातिहा हसी  
 चालोघरांमंनारा मारगसरेआव्योमलपतो तसेरायतिहांउजोहतो १० सीसकलसगजबीज्योसोय जय  
 जयकारसबदतिहांहोय बंदीजनबहुकरेवषारा वरतीआराजतसत्रुनिजाणि १२ तोपरसुसहुकरे  
 प्रणांम आपआपरादीक्षां काम अंतरायनोआव्योबेह राजाराजाजोगवेतेह १२ असतीकपटकरेअतिव  
 ऊंतेतोपांगुलोभवराव्योसहु सासकरानेघरिघरिफरि नाषाबेटपांगलोअरे १३ गाणातपांगलोघरां किहासा  
 यलदेषाके आपरां आपेदानलोकतिसं एणीपरिहीऊदेसवदेसे १४ राजाराजकरेबेजिहां एकवारअमंतो गयाति  
 तिहां

राय

x ल x

न... देस ऊ को ई सकहे। सती पांगलो मसक वहे। १५। नूपति वात सां न लि ए ह र षे पा पी या हो ए ते ह। तो ते मा  
 व्या राज ड वार। लेई पांगलो आ वी नार। १६। आमी पसे व बांधी राय। आग लगी त पांग ल गाय। तो उ ल षी उ सुं गी ते व  
 रं गा। परी च पर ही कर वा तां गी। १७। दे षी डे ष्टे उं ष्या बे ह। रां रा रा य न उ ल षे ते ह। तो राज न पु बे ते ह सुं। ता हरे कं ते  
 सुं ते कि स्यो। १८। मु ऊ मा वी त्रे आ प्यो ए ह। स ता प तो आ रा धुं ते ह। तो म स क धु रों म हा राज। बा प स ता नो जो उं का ज। १  
 ९। ड हा प हिलुं लो हि प ति त रो। पा धो तर सी जां गी। जां घ मां स षा धुं प बे। नृ षा घ ई नि र वां ता। २०। पु र्व हे गं गा जि हां। वे  
 ली ना ष्यो तां ह। एक स ती ष्ठा की अ वे। जे पांग लो आ रां हि। २१। ति रो व च ने प्रा उ उ ल ष्यो। ए हो ए मे सुं का धा दे स क ढा वा आ  
 प रा। रा ए डु उं दी ध। २२। कुं व क क हे भ व न उ मो। सु क मा लिका स मां नि। ते ह नी परि क्त त घ न डुं या। जो उ ध रा ने धान  
 २३। वो प शी श्रा व क व च न बो ल्यो स हा। सु क मा ल का स रि षा न हा। न डु क वृ ष न त रां परि आ ज। सुं ऊ वा क रा सुं का  
 ज। २४। वं पा एक म हा स रा जां रा। आं का उ सां रु ध र म म नि आ गी। जु य ष्यो गो क ल आ हे जि हां। अ व र सां ड को न रहे  
 ति हां। २५। न स को ई ते ह सुं आ ष की। अ ति ब ली या ते ना ग्या न की। आ का स सा त डु उं सां त। स डु उ प स मो डु तो डु  
 दा त २६। गो क ल त जी न ग र मा हे र हे। प बे ए ना मे ते न डु क क हे। वं पा न ग री मां हे वा स। श्रा व क ना म व से जि न दा  
 स। २७। स म क ति ध री अ ति हे सु जां रा। सा स व हे जि न व र नी आं रा। पा षी प र व ति ष म नि ध रे। ले ई पो सो का उ  
 स ग करे। २८। र हे सु नो घ रि न वि र हे। सो य ज हां प्र वे स न के ह नो हो य। ते नार जां ध रा स रि ई सी। अ स ती मा

हि अवरनहि तिसी ॥ २६ ॥ षिलालोपाहजांशा ॥ पलिंगउपाहीपासें आंशि ॥ अवरपुरुषसुंधरतीनेहे तेहवेध  
रमां आव्योतेह ॥ २७ ॥ काउमगप्रसोनजांशोसेवि ॥ आवीउपगपायाहेव ॥ उपरिपलंगभार ॥ यज्यजिसोपीलुकि  
रालध ॥ तेस्त्रीउपरिकोधनकीध ॥ २८ ॥ आउषोपरिवारोतास ॥ देवलोकपहोतोजिहास ॥ रिपुतेपुरुषनलाईवान  
एनगीअस्त्रीदेषेनरघार ॥ २९ ॥ घणोहायासांहेबीदेरंठ ॥ तिसेंसांनतेआव्योसंठ ॥ सागवांसांनेबहेकांकीध ॥ लेई  
रूधिरनेपासेंदीध ॥ ३० ॥ षरकीसांगकरेपोकार ॥ धाउलोकमांस्योभरतार ॥ तिसेंसडंतिहांआवीमली ॥ पु  
तेनारएआऊला ॥ ३१ ॥ घईनाचानेजोएइए ॥ सांरुपापीएमास्योसेव ॥ कहेलोकएसांराहउ ॥ प्रीयमारवाड  
मंतं ॥ ३२ ॥ दीयांकोसलोकतेघरां ॥ धुरोसांरुसासआपरां ॥ नगरतरांअधिकाराजिहां ॥ आवीमस्तकधुरो  
तिहां ॥ ३३ ॥ उंतेमहापुरुषप्रधान ॥ बुद्धेसांरुनप्राबीसांन ॥ जोलधमोअगनसुंधरां ॥ काढीवृषजजीअपरां ॥ ३४ ॥  
बावनपलनुंसांस्त्रीफाल ॥ जोलोहामथयोततकाल ॥ जेरोकलंकउतास्योआप ॥ अमेकाठसुंधरांथुंसाप ॥ ३५ ॥  
धऊनचोरनेधीरपघरां ॥ तिरोविमांनेपुबुघरां ॥ वशासेंभोमिजिहां ॥ पतिलरां ॥ उमनेकडुपतिजवऊराकहीए  
तेघरकाईनुं ॥ ३६ ॥ होएगिरोलानानुंजीह ॥ धलवरमांहेकहोवेतीह ॥ तेनाइकरेजेतेले ॥ पीऊअषेवेउंरहतेत ॥  
ले ॥ ३७ ॥ जिहांरंमांषीपीउषाय ॥ तिवारेतेदेषतोषाय ॥ जोउडुष्टपरांनीवात ॥ पबेकरेतेमांषीनीघात ॥ ३८ ॥ कस्यो  
उपगारनजांशोजेह ॥ मुनावरउमोसरिषातेह ॥ सुगाश्यावकतेबोलेकिस्यो ॥ अमनेआलनदीजेईस्यो ॥ ३९ ॥ आंजे

सुं बुधी में अमुणो साचाजू बाकाधो नरगो बुधे विमा सो रहे अता सी वातन का ववि राचो क सी ध्रु च पान गरी अतिह  
विमाल निरधन से उ विसे धन पाल बी जो अत्रिन व से उ वषा रा ते हने लषमी बकुली जा रा धध कनक सरी बेटी ते  
हत रागी माही रूप वंत अति घरा ती हने सहा अवे धन सरी ते धन पाल त रा दी करा धप एक वारे बे वा वै गई जल  
ल रा करे तिहां जई आभरा के न क सरी तां जे ह उतारी मुकां जल बे ह धध पहिला जी लीने न सरी आभरा गृही  
राय धन सरी जई ते की मां ग्या तत काल एह वो बे हे न न दी जे आल धध आवाघर सां न ल्यो तात ते की से व कहे ते वात  
कहे धन पाल सा उ म म न रां ते स रा गार कुं अरी अ म त रां धध सु रा वा त मं त्र स र ते ह नै ग र अ ठ ते मा व्या बे ह अ  
भरा ई हां आपो अ म हा थ बे बे टी ते का बु सा थ धध से बी ह आ रा पो षाल करी तो पहिला ते की धन सरी कहे  
स रा गार ता ह रा हो एह प हर रा वं म न जा रा ते ह प तो पर धी ने पा वा ली ध क न क स री ने ते की दी ध बाई पहिर म  
लाई स वार ते रा थान क प हे रो सि रा गार प ध बु धे क र ते सा बी जा रा ध रि प हो चा की घ रा मं क णि तो धन पा ले अ  
न्याई न रा ली ई रुं की स ल ठ रें न रा ५२ आव के एह वि मा सी जोई बु धे न र नु ए ह वो होई से व न व मा नु अ मे मु त र व क हे  
कु वा स रि षा नु मे ५३ कुं च क हे वि चारी सोई क रा ते व कु वा क्त त घ न होई नि सु रा वा त क द्रु सं के व लेई ला क  
को ध रु वो दे व ५४ ते रो व र त रा की धी आप रागी आप लो क नी ष ते ह न रा डु र ग प्र ना वे ल ष मी थ ई ना षे दे वी  
उ क र मे ले ई ५५ उ प रि हे क ला दि त ते ध रें घ रा अ डी न बा जी करे ध ली व ली सुं क ही ए घ रा ति म त मे की धु क  
ते ध न प रा ५६

कहे मुनीपति रुषिबोले दृष्ट्वा सांजलिनागदत्तलीकषा नगरवांशा रसीपवीत्र राजा राजकरे जितसत्रु ५७ एह  
 वारीया सरसी प्रात धनदत्तवसे रायने विल तेह नारजा धनसीरी सुतो नागदत्तबेहुते तणी ५८ पवे थावकसकुं  
 सरे उन्नयकालयमिकमणो करे तेरो काले पुजे जिनजांशा अश हंत अवरनमोने आशा ५९ पोसोला एदिन पा  
 घातणो पवतिघते सरिषागणो जिनमिंदर नित्य उबववकुं एकवार तिहां आव्योसकुं ६० नामनागवशात्रुंजांशा  
 पेकन्याघरां विषांशा जिमनेहारितआवाजिसं नागदत्तउलोवेतिसें ६१ दीवुरुप्रकुरते हतणं मनिअत्रुरागघ  
 योघरा नागदत्तते दीवृतिसा रूपे रंभा मनि काजिसा ६२ आवीघरे जणावीमात तेरो अरतार सुणावीवात कु  
 मरिनिश्रेस्नाधुईहा नागदत्तवरबीहुंनही ६३ त्प्रायमित्रवातएसुणी आवा नागदत्त घरनराणी मुककन्या  
 ठेरूपनिक्षेपन उरुपरणा बुंमा गुमाने ६४ वलतूं नागदत्त ईमनरा नही कामकिंन्या आयणो उहेपुवोवा  
 रविचार कहे अमेलेसुं संजम नार ६५ कहे कन्यावर एहवरिसंई नही तरणा दिषालेईसें एकवार आवीघरने  
 ह नगरतलारे दीतेह ६६ रुयेतेमोहो अतिघरां परणा धनषरबा आयणं पितापास जईमांगुकाध कहेमै  
 नागदत्तने दीध ६७ तोतलारमनि एहतंधरे कतापरनागदत्त जुंमरें मांहुं कांई तिस्योउपाय जिमकन्या  
 माहरीघाय ६८ रायरवामपोहोतो जिसें पकोकान कुकलतसें जोयोघरा न आव्योपास तोराजा आव्यो  
 आवास ६९ दुहा नागदत्तपुजा नराणी पकुतो जिनप्रसाद कुकलदेषी जुतलो दिवो तिसे तलार ७० आवी

वी

राय आदेश जां गान ॥ अकुर उपाकी धरि आं गान ॥ तो राशेते पु बो घ रां ॥ कुं कल कुं ए आपो अमत त रां ॥ ७४ ॥ उल नीता पो  
नें द्यूति हां कुं कल दिवो राय ॥ आगे चिंता मन कुं ति ॥ हवे कुं करि सज्जपाय ॥ ७१ ॥ चोपई ॥ नाग दत मनिलोचन की धर ॥  
जिन वंदा नैका उ सग लीध ॥ तो तलार कुं कल कर जाल ॥ नाग दत नैका नै घाल ॥ ७२ ॥ जई तलार वीन वी उ न्युप ॥ क  
ही उ कुं कल तरो खरूप ॥ राभी सुं रो धर नै धर न ॥ नाग दत ते दा वु कां नि ॥ ७३ ॥ कोधी दिया तलार हत राणी ॥ आवक  
मोन्य करा अति धरणी ॥ उतर न दे अन्या इषरूं ॥ चौर दक जुई ए हनें करो ॥ ७४ ॥ लेई मार वावा लोति से ॥ हा हा करे करे  
सकुं तिये ॥ कुं मर पु बि गर धन ना धर्यो ॥ आगलि सब द काल ही नौ कस्यो ॥ ७५ ॥ वस्यु ॥ नाग वस्तर पयो जव डष्ट ॥ अ  
हा आल कि सोच को ॥ काई कर म आ गलि बुट ई ॥ जित आगलि का उ सग कस्यो ॥ धरु धर न जिम कर म बुटे ॥ समरु  
सासन देवता ॥ मथा करो मुकु माय ॥ सासने सो ह चढा व वा बी जो न ही नु पाय ॥ ७६ ॥ चोपई ॥ दीधुं कुं मर ने जई ॥ जो जीने सुवि  
के ॥ बेहु कट काय ई ॥ जिहां जिहां मुं प्र क ग प्र हार ॥ तिहां तिहां कुं मर साहे सं गा गा र ॥ ७७ ॥ माघे मुकट कु उ त त काल ॥ वा  
हेवे हेरषा जा क ऊ माल ॥ मा ला कुं समनी के वे लहे लहे ॥ आ वा वा त राय ने कहे ॥ ७८ ॥ अचिर ज देषी राय ति हां ग  
यो ॥ जई आघ नै सा ही जा उ पट ह सा सि रा गारो मार ॥ राय कुं मर बे घ या अस वार ॥ ७९ ॥ मस्त क मे घा कुं बर ब वा ट  
ले च मर वा जे वा जि न ॥ राय तेशो मनि हरष अपार ॥ बंदा जन बो ले जय कार ॥ ८० ॥ त ली या तो र रा घर घर वार ॥ गाय ध  
क वल मंगल सङ्ग ए नारि ॥ घानि घानि क नाटिक बङ्ग ॥ नगर लोक ते जो वै सङ्ग ॥ ८१ ॥ नाग दत नै न गर ने रे से ॥ कीधुं न ग  
री मां हे प्र वे स ॥ हाट शरी सि रा गारी ई सा ॥ जां रो अ मर पुरी ए वं सा ॥ ८२ ॥ पुरी सय ल स नी ति हां जई ॥ वे वो राय सि हा

शशासि अरक्षर शावेसास्योनुप कुरु अरकस्योस्वरूपधि धूरासुधवात कही आपराणी सधई राजाने  
 घशा। तोतलारने बांधोले दुबंदि। नगर फेरवो मारो कंदि। ६५। उवी कमारे मा। गो। गान। दी उतलारने जीवत  
 रान। कस्यो कमरनोरारे की ध। ए। ने देशवठोरी ध। ६६। उहा। कमरघमावी मो कलो। घशो महो बवयय। क  
 न्या काउ सगपारी न। सासन देव मसाय। ६७। मातपिता हरषो खजन। आब्यो पुत्र आवास। कन्यानी परिमा जली  
 तोपो होता तिहपास। ६८। चौपई। आब्योते घर काभरा जली। मकरो पुत्र जांशो अतिघरणी। मायबापने आग  
 \*अयरा हे करी तोते कुअरे वरी। ६९। लीधुलगत हरषबहु धरी। परणी नागदत सुंदरी के तो कालरही घरवाशि  
 धयो वेरा गगयास गुरुपास। ७०। बेहुजे गोली धो संजम नार तपे सो हवी देह अपर। बेहके बेहु अशासरा  
 पालि। देव० लोके पो होता ते शो काल। ७१। अदत परिहार वृत जे धरई। परलके मान विई बाकरे। ऊचक आ  
 कना परि एह। किमते साधु परयो तेह। ७२। नगवंन उमेचढावी सोह। सुत्रधार जिमकधु डह। गयोवनमाहे  
 लाकमानरा। दीवो सीह डहे आपरा। ७३। ताई दृक् व ह्यो जेतले। तले सोह आब्योते बले। उपरिमवदवां  
 नरकरे। हइया माहे नयतेहनो करे। ७४। मनबीह मां वानर कहे। रविआधमोई हारहे। उघो पुरुष कहेवां  
 नरी। स्तसुं जां घोलें मसक धरी। ७५। सुत्रधार सुतोते सुणी। आवी ऊघते हने पणी। बीनीउ माह वाचवा  
 नारी। नाषो पुरुषने तेणी जार। ७६। कहेवां नरी सीहसुरा वात। जो किम करूं चिमां साघात। ज्ञापो ते नरते

तेवरतांतकसोवांनश॥**ए०**वांनरमीनिंझाश्रवश॥**मु**त्रधारवैलेसिरधरा॥**मु**ताउघघईतेहनेजिसे॥  
 सीहनरबोलावैतिसे॥**ए०**वांनरमीनुंसीउविसास॥**सि**रारुमेधिरानुंसेजास॥**दे**वीनाषीऊईसिरसान॥**जि**  
 मउऊनेहीउंजीवतहांन॥**ए०**तोविसासघाततेनरकरा॥**र**होवाघतलेमुहमोधरा॥**ति**रौनाषीनविनीची  
 पसा॥**दे**ईफालनेउचीवडा॥**५०**॥**अ**वरकालिजईबोलेईसउ॥**ह**वेताहरुंमुषजोउंकसो॥**आ**व्यामनुषवेकिग  
 हेगही॥**उ**गोसुरसीहरमुवही॥**५०**॥**पु**त्रधारपरिकीधीजेह॥**अ**मनेकराउमैपरितेह॥**दी**एआलउऊदोइयाप॥  
 पबेकरीसउंपचाताप॥**५०**॥**का**रुहकीईतोलेहण॥**प**बेविषादकसोपाएणा॥**जो**यविमासातेहपरिअबई॥**तू**  
 तोकरासउरतोपबे॥**५०**॥**डु**हा॥**ता**रोचौरहपांनउ॥**ना**नमीउघउउल॥**पु**त्रतेरापासरहे॥**दी**एनारांमाहेऊल॥  
**५०**॥**पु**त्रसुयारीमाचीरा॥**पा**सेमुक्योतेह॥**ए**कवारदईषारुवा॥**बे**उषलघरबह॥**५०**॥**घ**रमाहेतहवेआवीउ॥**सा**ची  
 कनेभुयंग॥**उ**नीनुलविरासाउ॥**उ**नीनेषयोविरंग॥**५०**॥**उ**ताईगयोऊपले॥**ह**रष्योहयामजार॥**जा**रोनोलवि  
 णासाउ॥**लो**हीदीनुनारि॥**५०**॥**मु**सलसिरमांमारु॥**ए**वमोकीधअषव॥**सा**चांआवाजोईउ॥**र**मतोदीवोपुत्र॥  
**६**॥**पा**सेंकटकासापना॥**दी**गषम्याबेचार॥**में**पापराएस्युंकसो॥**जि**मतेरोंसोवोनार॥**५०**॥**वो**पई॥**ज**न्मआलि  
 थयोतेदिनुतेह॥**ते**परिहासेमकरासंदेह॥**ऊ**चिककहेवाततेसुंरा॥**उ**मेकीधपरपासरतरा॥**५१**॥**मु**तावरऊद  
 यविमासाजोय॥**च**नमाहेहाषीथयोसोय॥**प**णोषयरनोकाटोगयो॥**ते**रावेदनाए॥**दु**रबलथयो॥**११**॥**जु**घमाहेम

ही हा धरणी। बुध विसास तेरो आपणी। ही मी नमके बे वा एडी तो हा धरणी तिहांगई। १२। नगर साममाहे आवी व  
 ही। नर सुत देषानेर ही। सुब कर उपासो जाया। हा धी पासं मुको आंण। १३। पगमाहे करबो हो तो जिहा। पालो ले  
 इने फाम्यो तिहा। काढी उपर उषध ही ध। निरा बाध हा धीने की ध। १४। हरषण्यो हा धीने धरणी। मोती दात देषाको ध  
 गां। वेवई आराबांधा बरु। हरष सहित उपासो सकं। १५। जई सुक्यो सामे ते हतरणी। पाबावला हा धी हा धरणी। यो रे धो  
 के धरत्व गयो। वेकाने कोटी ध उकीयो। १६। बसु लोक पुबे रसकं ते ह पास। ता हरे वसु कि हां थ का। कहे कवशा  
 आ पाय। मुह दे रसा नली ते ह वात। राजाने जाणीय पामरते ही पु बायो। कि हा धी मोती दांत। तो तेरो धुरष की  
 कसो। हा धी तरो वृतांत। १७। चौपडी मेली कीटक का धरणी संव। सक हा धी का धरपे व। थई मो हरे पामर चाली  
 यो। थूष सहित हा धी चाली यो। १८। आंणपो नगरमा हे ते धरणी। उमे तो पामरनी परिकर। बोला रूषिते वारणी सु  
 रणी। उरु पाहि बुध साहि रा धरणी। १९। ते वै ता रू गुफामा हे वास। ते हने सही रदे जि पास। जंबु की मृगली सा उ बरु  
 ने ह। सा हरा ते ह सुन कर बे ह। २०। दी हे जाई जुं जुं टली। रा ते र हे गुफामा हे मली। आ पा धरणी वात ते कहें। सा हरा म  
 रि सा प्रांतर हे। २१। **डुहा**। सा हरा जन म्मा बचमा। बहे न नला व्या ते ह। आपरा दे सुषा घई। गई नरुने ते ह। २२। हर रा ति  
 हां मुतानिसे। आवी रुघ अपार। तो सा यालें तेनां नमा। बालक करीया आहार। २३। मुके सुव मो लू ही उ। हर रा नि जई  
 ते ह। जई बे वी बाहिर गुफा। मा चूं पर मु ते ह। २४। सा हरा आवी आ कुली। गई गुफामा हे ते ह अपत्यन देष आं पण। बे हे नी

बोला वी ते ह २५।

बोपई बेहंनउमेदेहताईहां कहोमाहारकालककिहां तोसायाला मुषबोलेईस्यो षाष्ठाहरणापुठैकसो  
२६ हरणाकहैबोलीसासती ऊमुतीनूबेगीहती कहेसायाली एरोअहिनारा मोहोमुषरकु लोहीजांरा  
२७ सीहरणावचनेबेऊनासही बहनमबोलीमाहोमही उमेनबी जुंकऊसमुं आजआपणोषाधेवमो  
२८ हरणावमीबालेनेहरा सीहरणातोईकीधीपरी जुबुकवामामांसततकाल सीहरणाकोपीहरणासी  
याल २९ दीधुमृगलीनेबऊमांन नहीपशुनउऊनेसांन जिमवालीवलेतिमजाह मुनावरउमेसरिषा  
साह ३० **डहा** हिमवंतपरवतगुफा वनचररहेतोमांहे पासेउरुवाटकमा तापसेनेआराहि ३१ जगति  
करतांतेहतणी आवीदयाप्रणाम एकवारजाशतिहां अवरकरेउंकाम ३२ **चोपई** चांप्योसीहतादेअति  
घरा आव्योमाहिगुफातेहतणी वनचरपरीषहआयतेहकरी जुकाटेसो तोजासेमरी ३३ वमीवारवहांबे  
बोयई तापेताईदसीहनीगई बुष्ठाथशेसीदविकराल षाक्षेवंनचरनेदेईफाल ३४ मेउपगारकस्योउं  
मघरां तोउमेतिमकोधुक्ततघनपरां जिमउतास्योकाष्टकलंक तिमअमेस्यासुनिकलंक ३५ राजग्र  
हानगरसिरागार व्यवहारीयांमांहे तेसार काष्टसेउपोतेधनघरां विग्रानांम नारज्यातरां ३६ सागरदत  
पुत्रसुविचार रूपतरांनविष्ठात्रेपार मघरासालहीनेसुधकु घरलकतोपेत्तऊककुं ३७ बोशिवस्युसे  
तेअतिघरां मनकीधोदेसाउरनरां निहोलगेंचतिकरेसोय तेहबोमांशासनजऊकोय ३८ सुरणीएकबकु

वानी शिति सेवते शोते वे वे चिंत तरशां माघे पम्यो ते सुंशा री सथ ईव कु वाने घरा ३७ ले उ पिरा उ तर शो  
 आज नही शो म ल क मा हरे काज का जोष ग क पा वी बे ह लो के हा ध सा सो ते ह ४० मर नू वारी यो को धो  
 कांत त्रिगा हं सक ते दी धो नां म ते ह प्रति का ष्ट से व ई म न री व कु आर ही स घ रि अ म त री ४१ दे सा उ र ज ई  
 अबु अ में ति हां लै गें घ रि वि त व जो उ म्ने अ मे न प र घ र जां रां सार ई स्यो म क हि स्यो बी जी वार ४२ ति म ति म से  
 व आ र करी आ र पो घ र ल गें बां हें ध रे प रु वुं ष रु की आ ग लि जे ह से वे र हि वा दी धु ते ह ४३ ए ह वि श्राम त रां मु रु  
 वां म ष रु का मा हें न म हा रुं कां म पो हो तो से व आ वी स म जार दे ई सा षा म रा वि घ ना नार ४४ शु ष सा ल ह दु क  
 ना न रां से वे न ल म रा दी धी व णा अ ति ब रु ल ब रु वान ध री पो हो तो से व स जा ई क ४५ अ ति कृ सा ल रा वि  
 घ ने घ रों व ल से ब रु जो ध न ते ह त रां घ र्सा हें आ वी अ व सर ल ही मा या वी उ र शी प रे र ही ४६ मा हें आ वे ला आ वी व  
 हा घ री सो र मा म्यो सा ल ही मु के वार पि रा न नि र हें वे र पा पी व पे उ क ह ई ४७ क हें सा ल हा मु रा मु क वा त घ र व रा  
 सा तो वे षो जा त व रा अ व सर जे करे पो कार मा स्यो कृ रा कर ते सां ४८ वारी मु क ना न वि र हें वारी ति म ति म गा ढी क  
 हें तो वि ग्रा आ वी घ र बे ह कृ त आ प ला मा री ते ह ४९ मु को बी हें दे षी सार तो ते ह ने न करे उप वार एक वार मु नी व  
 उ वी र आ वी या वि ग्रा ऐ वे हे रा वी या ५० ल कु को वे लो पु त्रै ई स्यो ए ह ने घ रे कृ क रु ते ह कि स्यो आ वी प रु वा पा से र हें  
 मो के सुं ते मु नी व र क हें ५१ ए ह ना मा ज र षा ण ग ज दि न सा त मे ली ए ते रा ज ए ह वा त ते ब मु वे मु रा हर ष ण यो ग यो वि  
 ग्रा न रा ५२

अननीवात कहेतिहांजई मुऊनेमांजरनईबाथई कहेवातसुयाबकुचासाच ऊंकिमकरुंऊककानीघात  
५३ आगलएकसालहीहणी सोउतरदाजेघरधरणी पुरिअमाराईबाआज वयगामचालीसजोजोकाज ५  
४ तोपापणीएवणास्योऊलि पचीउमांसत्रांबकाघालि घीउसनीनकरेवाततकाल तिसेपुत्रआवानेसाल  
५५ मांहेमांजर ऊं तोजेह पुत्रसरावानेगयोतेह देवधमांहेबहुतोकाध आबोधरआनूषणादीध ५६ घरमां  
हेजेवोजमवाथई निघ्रातेहनेषीस्योजई आहेनमांजरएकलगार तोतेहनेथईरासअपार ५७ कहेबकुचो  
सुंघरां फाकिउरपुत्रउमतरां मांजरआपिकहेमुषईस्यो अबलीरातमकरेकिस्यो ५८ धाविसामल्योअल  
गाथई पुत्रउपाकीचंपागई नगरमांहेपोहोतीजेतले सुउअपुत्रीयोरायतेतलि ५९ पंचदिव्यअधीवास्या  
जेह कलसहाथराणाढात्यातेह सागरदतनुंसीधुंकोज दिनसातमेपाम्योतेराज ६० क्षवतिवाहनराजानाम आ  
वीपरचुकरेघराणा बत्रधरेसिरचामरऊमाल चंपाराजकरेचुपाल६१ विघ्नानापरिपावलसुसुणी षाधीलरुमी  
बकुवेघराणी दासदिकोलगयोसऊंबांरु पमीपोलिकोटमीषांरा ६२ करीदेसाउरआव्योसेव जईपमकिरहीधी  
डेष्टि आव्योविसाउनीजिहां दासदिकोलगयासऊंकिहां६३ किहांऊकहोसालहासार किहांपुत्रआपुंसिरागा  
र सुंनकरिअयाबोलीरही सुमाकनेसेवगयोवही ६४ दिठोसषडुबलअपार एहनीकोरोनकीधीसार आ  
जोएहनूनहीतेरूप कहेवबघरनुंतमेसरुप ६५ सुकोकहेसेचसांजले उनीस्त्रीबेहकोआमले धुजेसुकोक

हेतेवात ऊंबीऊं विद्या भयतात २ सेवमुक्तोकात्रोबेह हाथेलेई वौलावोलेह सकल चृतांत ज्युमीमीक  
सो तोतेसेवमांनवारसो सुमागंमोघरअमतराी मतवेशगथयोअतिघराी सजनमामीतेमाबई प्रपोषी  
षेत्रधनवेच्योसऊंई जांणोअनरघरसंसार सेवेलाधोसंजमभार बभुवोविशारायभुभया नासाचंपा  
नयरागया ६ए कहैतेहनाकेतीचरी चंपारदाकुंपुंकरा काष्टसेवमाहातमाजेह पालेपंचमहाचृतले  
ह ७० एकलविहारापकिमावहीधरी तेपरुवीजेमाहातपकरा करेविहारकरमते जाणा चंपाआव्याएकलेबां  
रा ७१ सुनुंभांतवचेघालायो वहेरावतांमोहेआलीयो जांपाबाहिरगयाजेतले विद्याबुंबकरीतेतले ७२  
धाउधाउचौरएजाय तोतेतलाआवीयातेरोवाय काढीउदिमउनोभातमां गाढोलगघोलोमहातमां ७३  
दृष्टिपम्याधाउनाजिसे आषेआसुंआव्यातिसें कहैराउकरोमात उडुवोनेमरोतात ७४ गयोगवदृश्य  
योरायउतरी वांघोपताभगतिबऊंकरा जाणंविशादीधुआल देशवहोदाक्षेततकाल ७५ सुरादेसनाप्र  
गामोराय ऊउधरभवंततेंमहाराय तोतेमुनीवरकरेविहार कस्योआग्रहरायअपार ७६ तेहवेचृषाकाल  
आवान प्रांणोचोमासुंरहावीउ रथनगरलोकतेहतरां मजाजीनषयोसऊंगरां ७७ चारमासपुराघयाजि  
सें प्रीतीबुभुवालोकबऊंतिसें भागीवाटमिण्यामंनतराी घईवाभरणोनेरीसअतिघराी ७८ बुद्धिबान  
राविमासामली हवेआपणोएवरतिजटला रषेगलराषोसेष तेहस्तीसाषावीएक ७९ करेविहारचोमासुर  
ही